राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 22 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–88 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पुंछ में आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू–कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले के हरि बुद्ध इलाके के एक स्कूल से आतंकी के मददगार शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आतंकी का मदद करने वाला कमरुद्दीन स्कूल का हेडमास्टर है। उसके पास से एक पाकिस्तानी पिस्तौल और 2 चीनी ग्रेनेड मिले हैं। पुलिस ने कहा– सूचना मिलने पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। कमरुद्दीन के ठिकानों पर कई जवान एक साथ पहुंचे। हमें आशंका है कि लोकसभा चुनाव से पहले इलाके में अंशाति फैलाने के लिए कुछ प्लानिंग की जा रही थी।

मुठभेड़ में मारा गया एक नक्सली

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच रविवार सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है, जिसका शव भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने मौके से हथियार समेत विस्फोटक सामान बरामद कर लिया है। मुठभेड़ खत्म हो गई है। बस्तर में चुनाव खत्म होने के बाद जवान एक बार फिर भैरमगढ़ केशकुतुल इलाके में सर्च ऑपरेशन पर निकले हुए थे। यहां नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना थी। जैसे ही जवान माओवादियों के कोर इलाके में पहुंचे तो नक्सलियों ने फायर खोल दिया। जिसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और गोलियों का जवाब दिया।

मणिपुर में 11 बूथों पर दोबारा वोटिंग आज

इम्फाल । मणिपुर में इनर मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर 22 अप्रैल को फिर से वोटिंग होगी। चुनाव आयोग ने इसे लेकर आदेश जारी किया। इन बूथों पर 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में वोटिंग के दौरान हिंसा और तोडफ़ोड़ हुई थी। जिन 11 बूथों पर दोबारा वोटिंग होगी, उसमें साजेब, खुरई, थोंगम, लेइकाई बामन कंपू (नॉर्थ–ए), बामन कंपू (नॉर्थ–बी), बामन कंपू (साउथ–वेस्ट), बामन कंपू (साउथ–ईस्ट), खोंगमान जोन–वी(ए), इरोइशेम्बा, इरोइशेम्बा ममांग लेइकाई, इरोइशेम्बा मयाई लेइकाई और खैदेम माखा शामिल हैं।

सरकार ने 23.37 लाख करोड़ का डायरेक्ट-टैक्स वसूला

-ये पिछले साल से 2.95 लाख करोड़ ज्यादा, 3.79 लाख करोड़ रिफंड भी जारी किया

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2023-24 में नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढक़र 19.58 लाख करोड़ रुपए हो गया। बीते वित्त वर्ष 2022-23 में 16.63 लाख करोड़ रुपए का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन हुआ था। यानी बीते साल के मुकाबले नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 2.95 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के लिए ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (प्रोविजनल) 18.48 प्रतिशत बढक़र 23.37 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 3.79 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया गया है। ये पिछले साल की तुलना में किए गए रिफंड से 22.74 प्रतिशत ज्यादा है। ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में से रिफंड करने के बाद जो पैसा बचता है वहीं नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन होता है।

पर्सनल इनकम टैक्स में ग्रोथ रेट 24.26 प्रतिशत रही

ग्रॉस पर्सनल इनकम टैक्स सालाना आधार पर 24.26 प्रतिशत बढक़र 12.01 लाख करोड़ रुपए (प्रोविजनल) पर पहुंच गया। वहीं नेट पर्सनल इनकम टैक्स 25.23 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली और ये 10.44 लाख करोड़ रुपए (प्रोविजनल) रहा।

केरल में यूडीएफ सबसे आगे, तीसरे नंबर पर भाजपा

तिरुवनंतपुरम। केरल में लोकसभा की सभी 20 सीटों के लिए 26 अप्रैल को मतदान होना है। इंडिया गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस और सीपीआई (एम) एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। सत्तारूड दल के सीएम पिनाराई विजयन वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं।वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस का कहना है,वायनाड में हम बहुत मजबूत हैं। सीपीआई (एम) वायनाड मे बहुत कमजोर है। राहुल गांधी ने विजयन को भाजपा का एजेंट बताते हुए कहा, भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद केंद्रीय जांच एजेंसियां उन पर कार्यवाही नहीं कर रही हैं। हाल ही में हुए एक ओपिनियन पोल के अनुसार केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाला गठबंधन यूडीएफ 20 में से 14 से 17 सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है।गठबंधन में कांग्रेस के साथ आईयूएमएल और आरएसपी शामिल है। इस बार सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला एलडीएफ 2 सीटों पर सिमट सकता है। भाजपा त्रिसूर और तिरुअनंतपुरम सीटों पर चुनौती दे रही है। त्रिशूर संसदीय क्षेत्र से मलयालम एक्टर सुरेश गोपी चुनाव लड़ रहे हैं। तिरुवनंतपुरम से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को चुनाव लड़ाया जा रहा है। केरल में भाजपा तीसरे नंबर पर दिख रही है। केरल में भारतीय जनता पार्टी ने ईसाइयों को अपने पाले में लाने के लिए बड़ी कोशिश की है। मणिपुर की घटना से केरल के ईसाइयों में इसका असर नहीं पड़ा है। केरल में भाजपा की अभी कोई जमीन विकसित नहीं हुई है। भाजपा को जो भी सफलता मिलेगी। वह मलयालम एक्टर सुरेश गोपी और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के कारण ही सफलता मिल सकती है।

राजस्थान के जालोर में प्रधानमंत्री ने कहा

कांग्रेस ने देश को खोखला किया

- देश का युवा दोबारा इस पार्टी का मुंह नहीं देखना चाहता

जालोर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जिस पार्टी ने कभी 400 सीटें जीती थीं, आज वो 300 सीट पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। आज कांग्रेस की हालत ये है कि उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इन्होंने अवसरवादी इंडी अलायंस बना लिया है। उसकी पतंग उडऩे से पहले कट गई है। कहने को तो गठबंधन है, लेकिन अब हालत देखिए। कई राज्य हैं, जहां ये गठबंधन वाले ही आपस में लड़ रहे हैं। कांग्रेस के इतने हाल खराब है भाइयों। अब देखिए कांग्रेस ने देश पर 60 साल तक राज किया। इसी कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, गैस,बिजली-पानी, बैंक अकाउंट ऐसी छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसाया। इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा देश कांग्रेस को दे रहा है। मोदी भीनमाल (जालोर) में 72 जिनालय के सामने स्थित ग्राउंड पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि देश का युवा इतने गुस्से में है वो दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता। उन्होंने कहा कि अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा देश को चला सकता है क्या। आज कांग्रेस की जो हालत हुई है, उसकी गुनहगार वो खुद है। देखिए आपके यहां से राज्यसभा में कांग्रेस के एक नेता दक्षिण के हैं, उन्हें भेजा। कभी उन्होंने एक भी बार राजस्थान की बात कही है। आपने उदारता पूर्वक भूतपूर्व पीएम मनमोहन सिंह को सम्मान में राजस्थान से राज्यसभा में भेजा। वो काफी समय बीमार रहे। क्या कभी राजस्थान में आपने उन्हें फिर से भेजा। अब उनके एक और नेता को बचाने की कोशिश की राजस्थान वालों ने। जो लोग चुनाव नहीं लड़ सकते, चुनाव जीत नहीं सकते, मैदान छोड़ कर इस बार राजस्थान से राज्यसभा में आए हैं। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा के चुनाव में देश में पच्चीस प्रतिशत सीटें ऐसी हैं, जहां ये गठबंधन के लोग एक-दूसरे को मारने-काटने में लगे हैं। एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। अगर जिसमें चुनाव के पहले इतनी लड़ाई चल रही है तो चुनाव के बाद लूट के लिए कितनी ज्यादा लड़ाई लड़ेंगे, इसकी कल्पना कर सकते हैं। क्या ऐसे लोगों को इतना बड़ा देश सुपुर्द कर सकते हैं क्या।

मैं भी आप ही की तरह सामान्य परिवार से आया हूं

मैं भी आप ही की तरह सामान्य परिवार से आया हूं। मैंने भी परिवार में देखा न बिजली होती थी न पानी होता था, घर में रसोई का चूल्हा धुएं से भर जाता था। बचपन ऐसे ही बिताकर आया हूं, लेकिन जब आज यहां पहुंचा हूं तो मेरे दिल में यही रहता है कि बचपन में जो कठिनाई अपनी मां को भुगतते देखता था मैं ऐसी कठिनाई मेरे देश की एक भी माता-बहन को भुगतते नहीं देखना चाहता। इसलिए मैं आपके बेटे की तरह, आपके भाई की तरह आपके दुख-दर्द को मिटाने के लिए दिन-रात दौड़ रहा हूं। अभी तक राजस्थान के करीब 19 लाख दलित, गरीब, पिछड़े, आदिवासी परिवारों के पक्के घर बन चुके हैं और इसमें एक लाख पक्के घर जालोर और सिरोही में बने हैं। एक घर बनाना होता है तो कितनी तकलीफ होती है ये आप भी जानते हैं, अकेले इस इलाके में मोदी ने एक लाख घर बना दिए। ऐसा इसलिए दिल में एक दर्द पड़ा हुआ है।

- 22-23 अप्रैल को बिजली गिरने, आंधी और बारिश की संभावना

हिमाचल में बारिश से नदी में बह गया पुल, 100 से ज्यादा सड़कें जाम

शिमला।

देश में जहां गर्मी रिकार्ड तोड़ रही वहीं हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की वजह से आफत आ गई है। हिमाचल में बारिश के से नदी पर बना पुल बह गया और कई सड़कें और नेशनल हाईवे जाम हो गए हैं। मौसम विभाग ने यहां यलो अलर्ट जारी किया है।

जानकारी के मुताबिक हिमाचल में बारिश का कहर से नदी में पुल बह गया और 104 सड़कें और तीन नेशनल हाईवे जाम हो गए हैं। राज्य आपातकालीन केंद्र के मुताबिक, लाहौल और स्पीति में 99 सड़कें, कुल्लू में तीन, चंबा और कांगड़ा में एक-एक सड़कों पर आवाजाही बंद हो गई हैं। वहीं तेज बारिश के चलते कांगड़ा में एक पुल बह गया है। आधिकारिक बयान में बताया गया है कि यह पुल इसी महीने बन कर तैयार हुआ था। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में 22 और 23 अप्रैल को बिजली गिरने, आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य में कई दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना जताई जा रही है, जिससे रोजमर्रा की गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने इस बार देशभर में सामान्य से अधिक बारिश होने की भविष्यवाणी की है। हिमाचल में भी इसका असर रहेगा। आज बारिश की संभावना जताई गई है। हिमाचल में 24 अप्रैल के बाद मौसम में बदलाव हो सकता है। हालांकि 21, 22 और 23 को बारिश और बर्फबारी होगी। इसे लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। यहा आने वाले पर्यटकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

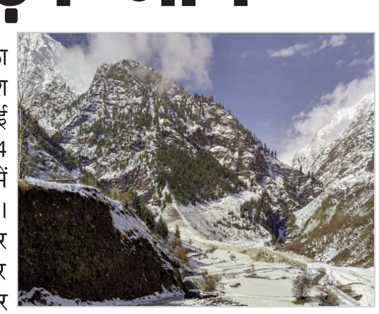

वहीं दिल्ली, बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। उत्तर भारत के कई राज्यों में लू का असर देखने को मिल रहा है। झारखंड के 14 जिलों में तो गर्मी को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। वहां लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए स्कूलों का टाइम भी बदल दिया गया है। हिमाचल में 40-50 किलोमीटर की स्पीड से हवाएं चल सकती हैं। 22 और 23 अप्रैल को पूरे हिमाचल में मौसम खराब रहेगा।

बालोद की सभा में प्रियंका गांधी ने कहा

अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही भाजपा

बालोद। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को बालोद जिले के दौरे पर रहीं। उन्होंने यहां हथौद मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रियंका गांधी ने कांकेर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बीरेश ठाकुर के पक्ष में माहौल बनाया। उन्होंने कहा कि अभी शादी का सीजन चल रहा है, भीषण गर्मी भी है, फिर भी इतनी संख्या में आप मुझे सुनने के लिए आए हैं, इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। प्रियंका गांधी ने कहा कि आपने ये प्रदेश अपनी मेहनत के दम पर बनाया है। यहां प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं, इसके बावजूद यहां बेरोजगारी चरम पर है। आज हम अपने जीवन में संघर्ष कर रहे हैं। पैसे कमाते हैं, लेकिन बचता नहीं है। सबकुछ महंगा हो गया है। घर में कभी कोई जरूरत का वक्त आता है, तब हमें बेबस होना पड़ता है। किसानों की हालत आज ऐसी है कि यहां पर कृषि में भी लाभ नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि फसलों पर भी जीएसटी लागू है। जब यहां सरकार थी, तो छत्तीसगढिय़ा स्वाभिमान की रक्षा की गई, आदिवासियों की जमीन वापस कराई गई, अब यहां पर सरकार बदल गई है। यहां पर सरकार ने गौठान से संबंधित योजनाएं बंद कर दीं। जिन योजनाओं से रोजगार मिलता था, भूमिहीनों को पैसा मिलता था, वो भी अब बंद हो गया है। यहां महंगाई चरम पर है। प्रियंका ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर हम एक गरीब परिवार को 1 लाख रुपए सालाना और 25 लाख रुपए तक का इलाज देने का वादा करते हैं। आशा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए केंद्र अपना हिस्सा बढ़ाएगी।

चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में 3 बड़े बदलाव की तैयारी

एएफएसपीए हटने के बाद पुलिस संभालेगी राज्य

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर में तीन बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। केंद्र सरकार, सेना और स्थानीय प्रशासन स्तर पर तैयारी शुरू हो चुकी है। पहला बदलाव राज्य से आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर एक्ट (एएफएसपीए) हटाकर होगा। बीते दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसके संकेत दिए थे। दूसरा, जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा। जमीनी स्तर पर इसकी रणनीति बन गई है। तीसरा, 30 सितंबर के पहले राज्य में विधानसभा चुनाव कराना। यानी सरकार की कमान स्थानीय लोगों के हाथ आ जाएगी।

सबसे ज्यादा फोकस एएफएसपीए हटाने पर है। इसके लिए सेना राज्य सशस्त्र पुलिस को एंटी टेरर ऑपरेशन्स के लिए तैयार कर रही है। पुलिस के 1100 इंस्पेक्टरों को डोडा के बार्ला में सेना के बैटल स्कूल में ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें सेना की तरह खुफिया सूचनाओं का विश्लेषण, उन्हें साझा करने और इलाकों की घेराबंदी करना सिखाया जा रहा है।

पुलिस भरोसा जीत रही

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार का जम्मू-कश्मीर पुलिस पर भरोसा इसलिए बढ़ा, क्योंकि वो सेना के साथ कई ऑपरेशन में साथ काम कर रही है। बहादुरी के लिए मिलने वाले कीर्ति और शौर्य चक्र पुलिसकर्मी हासिल कर रहे हैं। एक साल में 80 पुलिसकर्मियों को शौर्य पदक मिले हैं। जबकि प्रदेश स्तर पर 424 पुलिसकर्मियों को एंटी टेरर ऑपरेशन के लिए सम्मान मिल चुका है।

सेना की जगह राष्ट्रीय राइफल्स की तैनाती संभव

सूत्रों के मुताबिक,एएफएसपीए हटने के बाद राज्य में सेना की जगह राष्ट्रीय राइफल्स की 4-4 कंपनियां रखी जा सकती हैं। राष्ट्रीय राइफल्स सेना से प्रतिनियुक्ति के आधार पर गठित हैं। इसमें 63 बटालियन हैं। इन्हें 100 से 150 सैनिकों की 4-4 कंपनियों में तैनात किया जा सकता है। यहां तैनात सेना के सवा लाख जवानों को पाक-चीन बॉर्डर शिफ्ट किया जा सकता है।

सीएए को पूरे देश में किसी भी कीमत पर लागू किया जाएगा - राजनाथ सिंह

कोलकाता ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सीएए को पूरे देश में किसी भी कीमत पर लागू किया जाएगा। राजनाथ सिंह ने मुर्शिदाबाद के जलांगी में एक चुनावी रैली में कहा, ÷सीएए उन लोगों को नागरिकता देने के लिए है, जिन्होंने धार्मिक कारणों से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देशों को छोड़ दिया है। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी इसका विरोध कर सकती है, लेकिन सीएए किसी भी कीमत पर देश में लागू किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल धार्मिक तनाव को बढ़ावा दे रहा है। यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस और चैतन्य महाप्रभु की भूमि है। रक्षा मंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल में अराजकता है। उत्तर बंगाल के पड़ोसी बालुरघाट इलाके में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि वह देश में सीएए लागू नहीं होने देंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷वे (भाजपा) सीएए और एनआरसी को चुनौती देने के मेरे अधिकार पर सवाल उठा रहे हैं। वे

कौन होते हैं मुझसे सवाल करने वाले? जब मैंने कहा कि हम सीएए और एनआरसी को लागू नहीं होने देंगे तो मेरा मतलब यही है। उन्होंने असम में एनआरसी लागू करने की कोशिश की, तृणमूल कांग्रेस इसका विरोध करने वाली एकमात्र राजनीतिक पार्टी थी। ममता बनर्जी ने भाजपा पर पिछले 10 वर्षों के दौरान केवल देश की संपत्तियों को बेचने पर ध्यान केंद्रित करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷आपने देश की संपत्ति बेच दी है। आपने देश का इतिहास बदल दिया है। क्या आपने कोई अच्छा काम किया है? आपने मनरेगा के तहत 100 दिन की नौकरी के लिए केंद्र से मिलने वाला पैसा भी रोक दिया।

सतना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने सभा को संबोधित करते हुए कहा

महंगाई और बेरोजगारी से सिर्फ मोदी खुश; गरीब मर रहे हैं

सतना ।

कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी का दौरा कैंसिल होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े रविवार को सतना में सभा को संबोधित करने पहुंचे। बीटीआई मैदान में मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि मैं पहले माफी चाहता हूं कि राहुल नहीं आ सके। उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे सतना जाना था। अब अगर इसकी भरपाई कोई कर सकता है तो आप ही कर सकते हैं। यहां से मुझे रांची भी जाना है। वहां इंडिया गठबंधन की मीटिंग है। मुझे भी पहुंचना था, लेकिन यहां आने की वजह से मैं वहां लेट पहुंचूंगा।

उन्होंने कहा मैं कई जगह घूमा। जहां भी हम गए, वहां लोगों के प्रमुख मुद्दे महंगाई-बेरोजगारी हैं। महंगाई गरीबों की कमर तोड़ रही है। जान ले रही है। कोई खुश नहीं है। एक ही आदमी मोदी खुश है।

दो आदमी देश के हर सामान को बेच रहे

दो आदमी देश के हर सामान को बेच रहे हैं। एयरपोर्ट, रोड, रेलवे बेच रहे। अडाणी और अंबानी लेने वाले हैं, मोदी और शाह बेचने वाले हैं। बैंक बर्बाद कर दिए। 16 लाख करोड़ रु. अमीरों का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीब किसानों का माफ नहीं हुआ। खडग़े ने कमलनाथ की तारीफ की। बोले, जब कमलनाथ की सरकार थी, उसने तो कमाल कर दिया। 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। 100 यूनिट बिजली 100 रुपए में दी।

संविधान बदलने के लिए मांग रहे मेजोरिटी

मोदीजी कहते हैं कि डॉ. आंबेडकर ऊपर से नीचे आए तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये मेरे नहीं, उनके अल्फाज हैं। आपने सुना होगा-पढ़ा होगा। मैं पूछता हूं कि अगर ये सच है तो आपके सांसद लोग क्यों कहते हैं, भागवत क्यों कहते हैं, एमएलए क्यों कहते हैं कि हमको टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। बोला या नहीं। ये उनका कहना है। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप वोट देंगे।

मोदी कहते हैं मैं मुफ्त राशन दे रहा

मोदी हमेशा कहते हैं- भाइयों और बहनों, मैं 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा। अरे, हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया था। इस कानून के मुताबिक हम पहले से राशन देते थे। आपने तो 5 किलोग्राम जोड़ा है और बोले रहे- मैं मुफ्त दे रहा। मोदी खूब झूठ बोलते हैं। वे अपनी पार्टी तक का नाम नहीं लेते, कहते हैं- ये मोदी की देन है, मोदी की गारंटी, सब मोदी-मोदी है...। मोदी ने 15 लाख रुपए देने का वादा किया था, मिला क्या? हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, अब 10 साल हो गए, इस हिसाब से 20 करोड़ नौकरियां मिलीं क्या? किसानों की आमदनी डबल हुई?

लोग पूछ रहे, कहां है तुम्हारा विकास

मोदी ने स्लोगन दिया- सबका साथ-सबका विकास, बाकी लोगों का सत्यानाश। लोग पूछ रहे- कहां है तुम्हारा विकास? राजीव गांधी ने साइंस और टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देकर रॉकेट बनाया। इंदिरा गांधी ने इस रॉकेट को उड़ाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सेहत और बाजार

यह विडंबना है कि देश में नियामक कानून न होने की वजह से अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां बच्चों की सेहत बनाने के दावे के साथ मुनाफे का कारोबार करती रही हैं। जिसमें बोर्नविटा और इसी तरह के बहुराष्ट्रीय कंपनियों के पेय पदार्थ भी शामिल रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को हाल ही में निर्देश दिया है कि बोर्नविटा और इसी तरह के पेय पदार्थों को स्वास्थ्य पेय श्रेणी से हटाया जाए। निश्चित रूप से इस कदम से ऐसे उत्पादों को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सार्थक पहल हुई है। दरअसल, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच के बाद सामने आया था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्वास्थ्य पेय की कोई आधिकारिक परिभाषा नहीं थी। जिसका फायदा कारोबारी कंपनियां अपने उत्पादों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर उठाती रही हैं। कैसी विडंबना है कि जिस उत्पाद को कंपनियां स्वास्थ्यवर्धक बताकर वर्षों तक अभिभावकों से मुनाफा कमाती रही, वही उत्पाद बच्चों के लिये स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी पेश करता रहा है। वहीं दूसरी ओर इसी महीने की शुरुआत में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने भी खुलासा किया था कि डेयरी, अनाज या माल्ट आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य या ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्यवर्धक व ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय के नाम पर बड़ा गोरखधंधा होता रहा है। साथ ही स्वास्थ्यवर्धक पेय के नाम पर अतिरिक्त कीमत वसूली जा रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की सार्थक पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे तथा उपभोक्ताओं के दोहन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। निश्चित रूप से तंत्र की काहिली और निगरानी करने वाले विभागों की मिलीभगत से यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी था। देर से ही सही, तंत्र ने उपभोक्ता के हितों की रक्षा के लिये पहल की और विश्वास किया जाना चाहिए कि अन्य मामलों में भी उपभोक्ता हितों को बढ़ावा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्यवर्धक बताकर बेचा जा रहा बोर्नविटा तब विवादों में घिर गया था जब इसके पोषण संबंधी दावों, खासकर इसमें मौजूद चीनी की मात्रा के बाबत सवाल पूछे गए थे। इस विवाद ने ही कालांतर ऐसे एनर्जी ड्रिंक्स की हकीकत का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत बतायी। सवाल उठे कि कैसे ऐसे उत्पादों की बिक्री और लेबलिंग की जा रही है। हालांकि, बोर्नविटा ने इस प्रतिक्रिया और विवाद के बाद अपने उत्पाद में चीनी की मात्रा को घटाया था। लेकिन भ्रामक आधार पर स्वास्थ्यवर्धक की लेबलिंग के मुद्दे ने पूरे उद्योग जगत को अपने निशाने पर ले लिया। उल्लेखनीय है कि बाजार में 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द विशेष रूप से कार्बोनेटेड और गैर-कार्बोनेटेड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को संदर्भित करता है। विडंबना यह है कि इन पेय पदार्थों को अकसर स्वास्थ्य पेय के नाम पर बाजार में उतारा जाता है और सामान्य पेय पदार्थों की तुलना में इनकी कीमत अधिक रखी जाती है। जबकि इन पेय पदार्थों में चीनी की अधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिये गंभीर चुनौती पैदा करती है। खासकर बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। जिसमें छोटी उम्र में मोटापा, मधुमेह और दांतों से जुड़े कई रोग पैदा हो सकते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी?

लेखक- योगेश कुमार गोयल

(विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर विशेष)

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

कई आशंकाओं से भरा खतरनाक रास्ता!

स्कूल वाहनों के हादसे

पंकज चतुर्वेदी

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में सड़क हादसे में 6 बच्चों की मौत हो गई। 15 से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। चूंकि माहौल चुनाव का है सो प्रधानमंत्री से लेकर विधायक तक सक्रिय हो गये। कुछ कार्रवाई होती भी दिख रही है। जो बस सड़क पर चल रही थी, उसका अनफ़िट होने के कारण एक महीने पहले भी 15 हजार का चालान हुआ था। सब जानते थे कि बस चलाने वाला शराब पिए है और उसकी ड्राइविंग बेलगाम थी, इसके बावजूद बस सड़क पर चलती रही। अभी इस दुर्घटना के बाद सड़कों पर बसों की जांच और चालान की औपचारिकता चल ही रही थी कि यमुनानगर में स्कूली बच्चों से भरा एक तिपहिया पलट गया, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई। सात बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। जो वाहन महज तीन सवारी के लिए परमिट प्राप्त है, उसमें 12 से अधिक बच्चे भरे थे। सड़क पर चलने के लिए नाकाबिल वाहन, क्षमता से अधिक बच्चे, बेतहाशा गति, अकुशल चालक- स्कूल जाने वाले बच्चों को लाने ले जाने में लिप्त वाहनों के मामले में सारे देश की यही एक-सी तस्वीर है। दिल्ली के वजीराबाद पुल पर लुडलो केसल स्कूल की बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर 28 बच्चों की मौत के बाद सन 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली बसों के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार स्कूल बस पीले कलर की होनी चाहिए। इसके साथ ही उस पर स्कूल बस जरूर लिखा होना चाहिए। बस में फर्स्ट-एड बॉक्स होना जरूरी है और बस की खिड़की में ग्रिल लगी होनी चाहिए। इसके साथ ही बस में आग बुझाने वाला यंत्र भी लगा होना चाहिए। स्कूल बस पर स्कूल का नाम और टेलीफोन नंबर भी होना चाहिए। यही नहीं, दरवाजों पर ताले लगे हों और बस में एक अटेंडेंट भी हो। सबसे बड़ी बात कि अधिकतम स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए। यह निर्देश दिल्ली में ही हवा-हवाई हैं। और अब तो स्कूल पहुंचने की राह में बड़ा खतरा ओमनी वैन हैं जिसमें अतिरिक्त सीटें लगा कर क्षमता से दोगुने नहीं तीन गुणा अधिक बच्चे बैठना, उनकी अंधाधुंध स्पीड और सबसे अधिक उसके चालकों का संदिग्ध व्यवहार नए किस्म का खतरा है। देश में आए रोज बच्चों के यौन शोषण में ऐसे वाहन चालकों की संलिप्तता सामने आती है। बसों के मामलों में तो स्कूल को जिम्मेदार बना दिया जा सकता है लेकिन वैन में ओवर लोडिंग, दुर्व्यवहार और दुर्घटना होने पर स्कूल हाथ झटक कर अलग हो जाते हैं। बीते कुछ सालों में बैटरी चालित रिक्शा स्कूल की राह का एक खतरनाक साथी बना है। इसमें बेशुमार संख्या में बच्चों को भरना, प्रतिबंधित या तेज गति के वाहनों वाली सड़क पर संचालन करना और अनाड़ी चालक होने के कारण इनके खूब एक्सीडेंट हो रहे हैं। बीते कुछ सालों में विद्यालयों में बच्चों का पंजीकरण बढ़ा है। स्कूल में ब्लैक बोर्ड, शौचालय, बिजली, पुस्तकालय जैसे मसलों से लोगों के सरोकार बढ़े हैं, लेकिन जो सबसे गंभीर मसला है कि बच्चे स्कूल तक सुरक्षित कैसे पहुंचें? इस पर न तो सरकारी और न ही सामाजिक स्तर पर कोई विचार हो पा रहा है। इसी की परिणति है कि आए रोज देशभर से स्कूल आ-जा रहे बच्चों की जान जोखिम में पड़ने के दर्दनाक वाकिये सुनाई देते रहते हैं। परिवहन को प्रायः पुलिस की ही तरह खाकी वर्दी पहनने वाले परिवहन विभाग का मसला मान कर उससे मुंह मोड़ लिया जाता है। दरअसल बढ़ते पंजीकरण को देखते हुए बच्चों के सुरक्षित, सहज और सस्ते आवागमन पर जिस तरह की नीति की जरूरत है, वह नदारद है। निजी स्कूलों में हजारों बच्चे पढ़ते हैं, स्कूलों की अपनी बसों की संख्या सीमित हैं, औसतन 1000-1500 बच्चे इनसे स्कूल आते हैं। शेष का क्या होता है? यह देखना रोंगटे खड़े कर देने वाला होता हैं। पांच लोगों के बैठने के लिए परिवहन विभाग से लाइसेंस पाए वैन में 12 से 15 बच्चे ठुंसे होते हैं। बैटरी रिक्शे में दस बच्चे 'आराम' से घुसते हैं। दुपहिया पर बगैर हैलमेट लगाए अभिभावक तीन-तीन बच्चों को बैठाए रफ्तार से सरपट होते दिख जाते हैं। रोज एक्सीडेंट होते हैं, क्योंकि यही समय कालोनी के लोगों का अपने काम पर जाने का होता है। ऐसा नहीं है कि स्कूल की बसें निरापद हैं, वे भी 52 सीटर बसों में 80 तक बच्चे बैठा लेते हैं। यहां यह भी गौर करना जरूरी है कि अधिकांश स्कूलों के लिए निजी बसों को किराए पर लेकर बच्चों की ढुलाई करवाना एक अच्छा मुनाफे का सौदा है। ऐसी बसें स्कूल करने के बाद किसी रूट पर चार्टेड की तरह चलती हैं। तभी बच्चों को उतारना और फिर जल्दी-जल्दी अपनी अगली ट्रिप करने की फिराक में ये बस वाले यह ध्यान रखते ही नहीं है कि बच्चों का परिवहन कितना संवेदनशील मसला होता है। इस दिशा में सबसे पहले तो विद्यालय से बच्चे के घर की दूरी अधिकतम तीन से पांच किमी का फार्मूला लागू करना चाहिए। स्कूल का समय सुबह 10 बजे से करना, सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करना, प्रयुक्त वाहनों में ओवरलोडिंग या अधिक रफ्तार से चलाने पर कड़ी सजा का प्रावधान करना, असुरक्षित साधनों के लिए कड़े मानदंड तय करना समय की मांग है।

विचार मंथन

वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर का अनेकांत सिद्धांत

(लेखक-सनत जैन)

भगवान महावीर का जन्म दिवस है। 2623 वर्ष उनका जन्म कल्याणक हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में अनेकांत का सिद्धांत प्रतिपादित कर मानव जीवन और प्रकृति को संरक्षित किया था। इस सिद्धांत में उन्होंने भाव हिंसा को सबसे बड़ी हिंसा बताया था। मन में जो भाव आते हैं, वहीं से क्रिया शुरू हो जाती है। अतः उन्होंने मन की सोच को नियंत्रित रखने के लिए, अहिंसा, सत्य, अचोर्य (त्याग) ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच सिद्धांत को मानव जीवन शैली के लिए जरूरी बताया। जीवन शैली की सोच को बदलकर, मन-विचार और शरीर को उन्नत अवस्था में ले जाकर मनुष्य जीवन और प्रकृति को सुरक्षित एवं सुखी बनाने का मार्ग सभी को बताया था। जब महावीर का जन्म हुआ था, उस समय सारी पृथ्वी में हिंसा फैली हुई थी। उस हिंसा को रोकने के लिए भगवान महावीर ने मन को नियंत्रित रखने के लिए प्रेम और वात्सल्य को महत्वपूर्ण बताया। वात्सलय एक ऐसी अवस्था होती है, जिसमें हर प्राणी के मन में एक दूसरे के प्रति मैत्री भाव उत्पन्न होता है। वात्सल्य अवस्था में ही शरीर स्वस्थ रहता है। क्रोध से मुक्ति मिलती है। बीमारियों से बचाव होता है। सत्य से भरा हुआ जीवन भय को दूर करता है। भय के कारण ही मानसिक शारीरिक और आर्थिक संकट पैदा होते हैं। जिसका प्रभाव मन मस्तिष्क पर पड़ता है। जिसके कारण मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा धीरे-धीरे नष्ट होने लगती है। तीसरा उन्होंने अचोर्य का सिद्धांत प्रतिपादित किया। इस सिद्धांत में चोरी करना अथवा जरूरत से ज्यादा चीजों को एकत्रित करने के लिए दूसरों के साथ ठगी करना, मन को विकृत करता है। चोरी नहीं करने और त्याग करने से मन और बुद्धि निर्मल होती है। चौथा सिद्धांत ब्रह्मचर्य का दिया। अपनी आत्मा में लीन होना ही ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य का मतलब है अपने आप में लीन हो जाना। जिस तरह से नर और मादा संभोग के समय सब कुछ भूलकर आनंद की अवस्था में पहुंचता है। इसी तरह मानसिक रूप से ब्रह्मचर्य की अवस्था मस्तिष्क पर नियंत्रण कर लेना ही ब्रह्मचर्य की अवस्था है। बाहर की दुनिया के रिश्ते अशांति पैदा करते हैं। विभिन्न समस्याओं को सामने लाते हैं। जिसके कारण मन और मस्तिष्क की सोच बदल जाती है। मन और आत्मा पर स्वयं का नियंत्रण होने से हम बाहर की दुनिया से दूर हो जाते हैं। आंतरिक आत्मा की शक्ति से हमारा जुड़ाव बढ़ता जाता है। पांचवा सिद्धांत अपरिग्रह का दिया। इसमें आवश्यकता से अधिक चीजों को रखना अपरिग्रह माना गया है। अच्छे जीवन जीने के लिए जो जरूरी है। वह नैतिकता के आधार पर रखना, अच्छे जीवन का कारण बनता है। मानव जीवन में जब अज्ञानता से वशीभूत होकर आवश्यकता से अधिक चीजों का संग्रह करने लगते हैं, उसके कारण जीवन कठिन हो जाता है। लोभ के वशीभूत होकर दूसरों के अधिकारों पर अतिक्रमण कर छीनने की कोशिश करते हैं। इससे हिंसा बढ़ती है। इसका असर घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के सभी लोगों पर पड़ता है। प्रकृति के सभी जीवों पर भी इसका असर पड़ता है। महावीर के इन पांच सिद्धांतों के कारण सारी दुनिया में हिंसा कम हुई। भगवान महावीर, मन की हिंसा को नियंत्रित करने पर जोर देते थे। भगवान महावीर के सिद्धांत में, जो हम सोचते हैं वही हम करते भी हैं। हमारी सोच में नैतिकता, प्रेम और वात्सल्य नहीं होगा, ऐसी स्थिति में जो भी सोच होगी, उसके अनुसार क्रिया करेंगे। कर्म फल सोच के साथ ही शुरू होते हैं। जो आपके जीवन को शांत और अशांत बना देते हैं। महावीर काल में चारों ओर हिंसा का वातावरण था। भगवान महावीर के अनेकांत सिद्धांत ने मानव जीवन को जो नया रास्ता दिखाया, उसके बाद हिंसा कम हुई, लोगों ने अहिंसा का महत्व समझा ओर अपने जीवन को सुखमय बनाया। भगवान महावीर के सिद्धांतों से जहां मानव जीवन सुखी हुआ वही प्रकृति भी संरक्षित हुई। जिसके कारण लोगों ने महावीर को भगवान महावीर के रूप में मानना शुरू कर दिया। वर्तमान स्थिति में विश्व के सभी देशों में हिंसा का वातावरण बना हुआ है। सब लोग कुछ ही समय में सब कुछ पा लेने की जो लालसा रखते हैं। अहंकार अपनी सर्वोच्च अवस्था में है। वही दुख का सबसे बड़ा कारण है। वर्तमान संदर्भ में कहा जाए, तो मानव जीवन का सबसे श्रेष्ठ युग चल रहा है। जहां स्वर्ग जैसी सुविधाएं मानव जीवन में सभी को उपलब्ध हो रही हैं। जितनी ज्यादा सुविधाएं और विकास होता है। लोग स्वयं से दूर होकर, भौतिक इच्छाओं के साथ जीवन जीना शुरु कर देते हैं। भौतिकता के कारण इच्छाएं बढ़ती चली जाती हैं। इच्छाएं अनंतानंत है। ब्रह्मांड में किसी की भी इच्छाएं पूरी नहीं हो सकती हैं। जितना मिलता जाता है, उतनी ही इच्छा बढ़ती चली जाती है। भारत के संदर्भ में बात करें, तो अंबानी और अडानी के पास कोई कमी नहीं है। उसके बाद भी सबसे ज्यादा भयभीत और असंतुष्ट व्यक्तियों के रूप में देखें, तो अंबानी और अडानी ही दिखते हैं।

UltraTech CEMENT

The Engineer's Choice

अल्ट्राटेक सीमेंट ने इंडिया सीमेंट से ग्राइंडिंग यूनिट खरीदी

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने इंडिया सीमेंट से 315 करोड़ रुपये में एक ग्राइंडिंग यूनिट का खरीदने की घोषणा की है। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह दो इकाइयों की क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 504 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। अल्ट्राटेक सीमेंट ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड ने 315 करोड़ रुपये में इंडिया सीमेंट लिमिटेड से महाराष्ट्र के परली में एक कैप्टिव रेलवे साइडिंग के अलावा 11 लाख टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाली एक ग्राइंडिंग इकाई के अधिग्रहण को मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि उसने विक्रेता के साथ एक परिसंपत्ति खरीद समझौता किया है। इस खरीद से कंपनी को तेजी से बढ़ते महाराष्ट्र के बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी।

अदालत ने महाराष्ट्र के परिवहन आयुक्त का परिपत्र खारिज किया

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के परिवहन आयुक्त द्वारा जारी परिपत्र को खारिज कर दिया है, जिसमें बीएच श्रृंखला के तहत वाहनों के पंजीकरण के लिए आवेदनों पर निर्णय लेते समय कुछ शर्तें लगाई गई थीं। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने 12 अप्रैल को अपने फैसले में कहा कि परिपत्र बिना किसी अधिकार के जारी किया गया था और इसलिए गलत और अवैध है। अदालत एक दीवानी न्यायाधीश की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें परिपत्र को चुनौती दी गई थी। परिवहन विभाग ने बीएच श्रृंखला के तहत वाहन पंजीकरण की मांग करने वाले उनके आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया था। भारत सरकार ने 2021 में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाहनों के सुविधाजनक हस्तांतरण के लिए बीएच श्रृंखला की शुरुआत की थी। परिवहन आयुक्त ने एक परिपत्र के तहत यह शर्त लगाई थी कि कोई भी सरकारी कर्मचारी जो बीएच श्रृंखला का पंजीकरण चाहता है, उसे आधिकारिक पहचान पत्र के अलावा, एक प्रमाण पत्र और देना होगा, जिसमें दिखाया गया हो कि उनके विभाग के अन्य राज्यों में कार्यालय हैं, और सेवा अवधि के दौरान उन्हें इन राज्यों की यात्रा करनी पड़ी है।

ईपीएफओ में फरवरी में 15.48 लाख सदस्य जुड़े

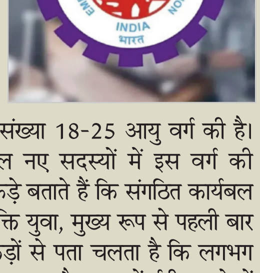

नई दिल्ली । सेवानिवृत्ति निधि निकाय ईपीएफओ ने फरवरी, 2024 में 15.48 लाख सदस्य जोड़े। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि फरवरी, 2024 में लगभग 7.78 लाख सदस्यों ने पहली बार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में नामांकन किया। ईपीएफओ के पेरोल आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा संख्या 18-25 आयु वर्ग की है। फरवरी 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों में इस वर्ग की हिस्सेदारी 56.36 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा, मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले हैं। पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 11.78 लाख सदस्य बाहर निकल गए और बाद में ईपीएफओ में फिर से शामिल हो गए। इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदल ली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए। इन सदस्यों ने अंतिम निपटान के लिए आवेदन करने के बजाय अपनी राशि को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना, जिससे दीर्घकालिक वित्तीय कल्याण की रक्षा हुई और उनकी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार हुआ। पेरोल आंकड़ों के लिंग-वार विश्लेषण से पता चलता है कि 7.78 लाख नए सदस्यों में से लगभग 2.05 लाख महिला सदस्य हैं। इसके अलावा महीने के दौरान महिला सदस्यों की शुद्ध संख्या लगभग 3.08 लाख रही। महिला सदस्यों का जुड़ना अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

कंपनी परिणाम, वैश्विक रुझान तय करेंगे शेयर बाजार का रुख: विश्लेषक

- कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई । इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव और ब्याज दरों में कटौती शुरू होने की उम्मीद कमजोर पड़ने से विश्व बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई जोरदार बिकवाली से बीते सप्ताह डेढ़ फीसदी से अधिक लुढ़के शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह ईरान-इजराइल संघर्ष, कंपनियों के तिमाही पे रिणाम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से शेयर बाजारों का रुख प्रभावित होगा। विश्लेषकों ने यह राय देते हुए साथ ही जोड़ा कि कच्चे तेल और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल से भी बाजार प्रभावित होगा। बाजार के` विश्लेषकों का कहना है` कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष को लेकर चल रही चिंताओं के बीच यह सप्ताह बाजार के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि अगर तनाव काफी बढ़ जाता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में घबराहट में बिक्री और अस्थिरता बढ़ने का जोखिम है। इसके अलावा बाजार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर कड़ी नजर रखेगा, क्योंकि भू-राजनीतिक घटनाएं अक्सर उन्हें प्रभावित करती हैं। मध्य-पश्चिम में स्थिति नाजुक बनी रहने के कारण वैश्विक स्तर पर निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई में अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी होने, खुदरा बिक्री बढ़ने और तेल की ऊंची कीमतों के कारण फेड रिजर्व के दर में कटौती में संभावित देरी ने निवेश धारणा को कमजोर किया है। इस सप्ताह टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, नेस्ले, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और मारुति के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि निवेशक अमेरिकी विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों, अमेरिका की पहली तिमाही के जीडीपी और जापान की मौद्रिक नीति पर भी नजर रखेंगे।

इस सप्ताह बाजार में 4 नए आईपीओ आएंगे

नई दिल्ली । इस सप्ताह बाजार में चार नए आईपीओ आने वाले हैं। जेनए इंडिया का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 23 अप्रैल को खुलेगा। इसमें बोली लगाने के लिए 25 अप्रैल तक का मौका है। इस पब्लिक इश्यू के लिए प्राइस बैंड 395-415 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। कंपनी इससे 649.47 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। शिवम केमिकल्स का आईपीओ 23 अप्रैल को खुल रहा है। इसके बंद होने की तारीख 25 है। 20.18 करोड़ रुपये के इस पब्लिक इश्यू के लिए प्राइस बैंड 44 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। पहले से खुले पब्लिक इश्यू की बात करें तो मेनबोर्ड सेगमेंट में वोडाफोन आईडिया लिमिटेड एफपीओ और एसएमई सेगमेंट में फालकान कंसेप्ट आईपीओ है, जो अगले सप्ताह बंद होंगे।

फार्मा कंपनी ल्यूपिन ने अमरेका में नई दवा लांच की

नई दिल्ली । फार्मा सेक्टर की कंपनी ल्यूपिन ने अमरेका में नई दवा पेश की है। ये नई दवा मिराबेग्रान ईआर टेबलैट 25 एमजी है। कंपनी के अनुसार दवा को अमेरिका के एफडीए से मंजूरी मिल गई है जिसके बाद कंपनी ने इसे बाजार में उतारा है। इस जानकारी के बाद कंपनी के शेयर पर इसका असर अगले कारोबारी दिन यानी सोमवार को मिलेगा। बता दें` कि पिछले कारोबारी सत्र में ल्यूपिन के स्टॉक में गिरावट देखने को मिली थी। कंपनी का स्टॉक करीब 3 फीसदी गिरकर बंद हुआ था। कंपनी के अनुसार, कंपनी ने ` मिराब्रग्रान ईआर लॉन्च की है जो कि एस्टेलस फार्मा ग्लोबल डेवलपमेंट की दवा मायबे ट्रिक ईआर 25 एमजी की जेनेरिक इक्विवलेंट है। बता दें` कि ईआर यानी कि एक्सटेन्डेड रीलीज दवाएं कुछ अलग प्रकार से बनाई जाती है, ये दवाएं शरीर में ज्यादा समय तक रहने में सक्षम हैं ताकि इनका असर अधिक समय तक शरीर पर रहे, ऐसा करने से मरीज के लिए दवाओं का कोर्स पूरा करना आसान और बेहतर हो जाता है। ल्यूपिन सिर्फ अमेरिक ही नहीं बल्कि दुनिया के 100 से ज्यादा बाजारों में अपनी दवाएं बेचती है। आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को स्टॉक करीब 3 फीसदी की गिरावट के साथ 1547 के स्तर पर बंद हुआ है। बीते एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो स्टॉक ने 125 फीसदी तक का रिटर्न दिया है।

सेंसेक्स की छह प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 1.40 लाख करोड़ घटा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,40,478.38 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान आईटी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। दूसरी ओर टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 62,538.64 करोड़ रुपये घटकर 13,84,804.91 करोड़ रुपये रह गया। इंफोसिस को अपने पूंजीकरण में 30,488.12 करोड़ रुपये की गिरावट का सामना करना पड़ा। कंपनी का पूंजीकरण 5,85,936.45 करोड़ रुपये था। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 26,423.74 करोड़ रुपये घटकर 7,49,023.89 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,234.76 करोड़ रुपये घटकर 6,70,059.86 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का मूल्यांकन 6,616.9 करोड़ रुपये घटकर 5,30,350.97 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 176.22 करोड़ रुपये घटकर 5,24,487.51 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 37,797.09 करोड़ रुपये बढ़कर 7,30,658.36 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 9,420.17 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,314.93 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 4,397.82 करोड़ रुपये बढ़कर 19,90,195.52 करोड़ रुपये और एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 1,201.75 करोड़ रुपये बढ़कर 6,15,453.90 करोड़ रुपये हो गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, इंफोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

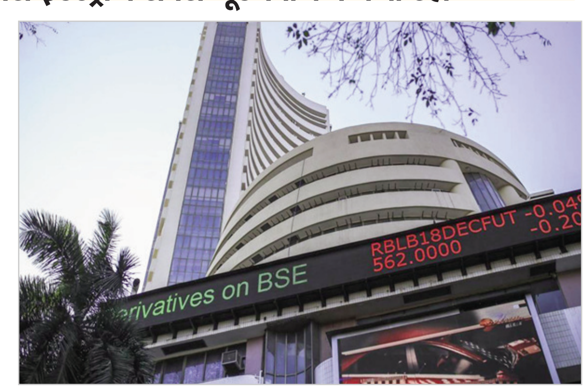

प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023-24 में बढ़कर 19.58 लाख करोड़ पहुंचा

- कर संग्रह बजट अनुमानों से 1.35 लाख और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ अधिक रहा

नई दिल्ली।

भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है। आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही। प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को` दिखाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम), इससे पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.06 प्रतिशत बढ़कर 11.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम) 9.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 8.26 लाख करोड़ रुपये से 10.26 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन अवधि में प्रतिभूति लेनदेन कर (अनंतिम) सहित सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह 12.01 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 9.67 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 24.26 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान एसटीटी (अनंतिम) सहित शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह 10.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 8.33 लाख करोड़ रुपये से 25.23 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में 3.79 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो वित्त वर्ष 2022-23 में जारी किए गए 3.09 लाख करोड़ रुपये के रिफंड से 22.74 प्रतिशत अधिक है।

वोडाफोन आईडिया के एफपीओ में बोली लगाने के लिए बचा बस एक दिन

नई दिल्ली । वोडाफोन आईडिया का 18,000 करोड़ रुपये का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) गुरुवार को शुरू हुआ था। अगर ये इश्यू कामयाब हुआ तो देश का अब तक का सबसे बड़े एफपीओ होगा। 18 अप्रैल से शुरू हुए इस एफपीओ में बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों के लिए अब सिर्फ एक दिन का समय बचा है। सोमवार 22 अप्रैल को इस एफपीओ की बंद होने की तारीख है, यानि की अगर इस एफपीओ में पैसे लगाने हैं तो निवेशकों के पास अब केवल एक दिन है। 2 दिन की बोलियों के दौरान इस एफपीओ को 0.49 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में यह एफपीओ 0.13 गुना सब्सक्राइब किया गया था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में एफपीओ को 0.93 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका था। बता दें अगर आप भी वोडाफोन एफपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके पास अभी अच्छा मौका है। आधा एफपीओ अभी सब्सक्राइब किया जाना बाकि है। वोडाफोन आइडिया ने 5,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एंकर निवेशकों को 11 रुपये प्रति शेयर पर 4.9 बिलियन शेयर अलॉट किए हैं। एंकर कैटेगरी में कुल 74 अलग-अलग स्कीम्स में शेयर अलॉट किए गए। अमेरिका की जीओजी पार्टनर्स ने 1,347 करोड़ रुपये मूल्य का सब्सक्रिप्शन लिया जो कि एंकर कैटेगरी का करीब एक चौथाई हिस्सा है।

बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन तेल तिलहन की कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशों में कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और सोयाबीन डीगम तेल कीमतों में आई गिरावट के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों एवं सोयाबीन तेल तिलहन, सीपीओ और पामोलीन तेल के दाम नरमी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 105 रुपये की गिरावट के साथ 5,235-5,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये घटकर 10,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,705-1,805 रुपये और 1,705-1,820 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 110-110 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,800-4,820 रुपये प्रति क्विंटल और 4,600-4,640 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमश- 250 रुपये, 250 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,150 रुपये और 9,800 रुपये और 8,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल तिलहन में सुधार आया। मूंगफली तिलहन का दाम 65 रुपये की तेजी के साथ 6,170-6,445 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 75 रुपये और 15 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 14,825 रुपये क्विंटल और 2,255-2,520 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 500 रुपये की गिरावट के साथ 8,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 375 रुपये की गिरावट के साथ 10,250 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 375 रुपये की गिरावट के साथ 9,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गिरावट के आम रुख के विपरीत बिनौला तेल 50 रुपये मजबूत होकर 9,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दो बड़े मसाला ब्रांडों के चार उत्पादों के खिलाफ चेतावनी जारी

- एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला उत्पादों के उपयोग से हो सकता है कैंसर

नई दिल्ली ।

खाद्य नियामकों ने हांगकांग और सिंगापुर में लोगों को दो बड़े मसाला ब्रांडों के चार उत्पादों के खिलाफ चेतावनी जारी की है। इसमें इथिलीन ऑक्साइड की मात्रा अधिक है, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारी होने की संभावना है।

एक इंटरनेशनल रिसर्च एजेंसी ने एथिलीन ऑक्साइड को समूह 1 कार्सिनोजेन के रूप में क्लासीफाई किया है। अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में हांगकांग के खाद्य नियामक प्राधिकरण सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (सीएफएस) ने कहा कि एमडीएच के तीन मसाला प्रोडक्ट मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर के अलावा एवरेस्ट के फिश करी मसाला में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड है। एमडीएच और एवरेस्ट फूड्स दोनों ने अभी तक खाद्य नियामकों के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

अपने नियमित जांच के तहत सीएफएस ने हांगकांग में तीन खुदरा दुकानों से उत्पाद लिए। सीएफएस प्रवक्ता ने कहा कि परीक्षण के नतीजों से पता चला कि नमूनों में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड था। नियामक ने विक्रेताओं को बिक्री रोकने और उत्पादों को हटाने का निर्देश दिया। इसमें कहा गया है कि उत्पादों को वापस मंगाना शुरू कर दिया गया है। सीएफएस प्रवक्ता ने कहा` कि मानव उपभोग के लिए कीटनाशक युक्त भोजन केवल तभी बेचा जा सकता है जब भोजन की खपत स्वास्थ्य के लिए खतरनाक या प्रतिकूल न हो। इसके लिए अधिकतम 50,000 डॉलर का जुर्माना और दोषी पाए जाने पर छह महीने की कैद हो सकती है।

कर्मचारी दफ्तर में आने के बाद काम करें, किसी बात पर बहस नहीं: पिचाई

- कंपनी की अपनी कुछ पॉलिसी है जिसका पालन सभी को करना है

वाशिंगटन । बीते दिनों इजराइल के साथ काम करने के विरोध में गूगल कर्मचारियों के गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने 28 लोगों को नौकरी से निकाल दिया। जिसके बाद गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने इस पूरे घटनाक्रम के लेकर अपने कर्मचारियों के लिए एक ब्लॉग पोस्ट लिखा है। इस ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि वो दफ्तर में आने के बाद काम करें, ना कि राजनीति के चक्कर में उलझें। बीते कुछ दिनों से गूगल कंपनी में चल रहे उथल-पुथल को लेकर सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों के नाम एक संदेश लिखा है। उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में गूगल का कल्चर शुरू से खुली बातचीत को बढ़ावा देने वाला रहा है। यही एक वजह हमें बेहतरीन प्रोडक्ट बनाने और अच्छे आइडियाज पर एक्शन लेने के काबिल बनाता हैं। कंपनी की अपनी कुछ पॉलिसी है जिसका पालन सभी को करना है। उन्होंने लिखा कि यहां पर बिजनेस से संबंधित काम किए जाते है इसलिए यहां पर ना तो व्यवधान पहुंचाने वाले मुद्दों को लेकर आपस में लड़ें ना ही राजनीति पर कोई चर्चा करें। बता दें कि सुंदर पिचाई के इस संदेश से पहले ऐसी ही हिदायत गूगल के हेड ऑफ सिक्योरिटी क्रिस रैको ने भी दी थी। उन्होंने भी कर्मचारियों से कहा था कि उन्हें तार्किक रहना चाहिए क्योंकि उनका हमारा लक्ष्य दुनिया की इंफॉर्मेशन को ऑर्गनाइज करना और भरोसेमंद जानकारी उपलब्ध कराने वाला बने रहना है। दरअसल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजन डॉट कॉम ने इजराइल को एआई और क्लाउड सर्विस देने के लिए एक जॉइंट कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत किया था। इसी प्रोजेक्ट का नाम निम्बस है जिसको लेकर कुछ कर्मचारियों ने विरोध किया, जिसके बाद उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया। ऐसे में गूगल के कर्मचारी वहां के वर्क कल्चर को लेकर सवाल कर रहे है जिसके बाद सुंदर पिचाई ने ब्लॉग पोस्ट लिखा।

एपीएसईजेड ने 42 करोड़ टन कार्गो हैंडल किया

कंपनी के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ

मुंबई । देश के सबसे बड़े निजी पोर्ट ऑपरेटर अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन(एपीएसईजेड) ने इस माह की शुरुआत में घोषणा की थी कि उसने (अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों सहित) वित्त वर्ष 2023-24 में 42 करोड़ टन कार्गो हैंडल किया जो कंपनी की यात्रा में एक नया मील का पत्थर है। साल दर साल के आधार पर यह 24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि है, जिसमें घरेलू बंदरगाहों ने 40.8 करोड़ टन से ज्यादा का योगदान दिया। कंपनी को पहली बार 10 करोड़ टन वार्षिक कार्गो थ्रूपुट हासिल करने में 14 साल का समय लगा। वहीं, 20 करोड़ टन का आंकड़ा हासिल करने में अगले पांच साल और 30 करोड़ टन तक पहुंचने में तीन साल और लगे। विशेष रूप से, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है।

एपीएसईजेड पिछले कुछ सालों में एकीकृत बंदरगाह इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के प्रदाता के रूप में उभरा है, इसमें गुजरात का मुंद्रा एसईजेड एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आठ हजार हेक्टेयर से अधिक में फैला मुंद्रा इकोनॉमिक हब सबसे बड़े बहु-उत्पाद एसईजेड, मुक्त व्यापार एवं वेयरहाउसिंग क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड) और घरेलू औद्योगिक क्षेत्र के रूप में निवेश के विकल्प प्रदान करता है। एपीएसईजेड के पहले बंदरगाह मुंद्रा पर 1998 में पहला जहाज आया था। तब से, कंपनी ने देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर 15 बंदरगाहों और टर्मिनलों का एक नेटवर्क बनाया है। एपीएसईजेड वर्तमान में देश में सबसे बड़ा वाणिज्यिक पोर्ट ऑपरेटर है, जो देश की कार्गो आवाजाही में लगभग एक-चौथाई की हिस्सेदारी रखता है। देश के भीतरी हिस्सों में व्यापक कनेक्टिविटी के साथ गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा के सात समुद्र तटीय राज्यों में घरेलू बंदरगाहों पर इसकी उपस्थिति काफी विस्तृत है।

बंदरगाहों पर सुविधाएं नवीनतम कार्गो-हैंडलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से लैस हैं जो न केवल श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ है बल्कि भारतीय तटों पर आने वाले सबसे बड़े जहाजों को हैंडल करने में भी सक्षम है।

एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी के अनुसार, नवीनतम 10 करोड़ टन का आंकड़ा दो साल से भी कम समय में हासिल किया गया है। ओडिशा के भद्रक जिले में धामरा बंदरगाह इस क्षेत्र में ड्राई कार्गो शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस में मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल में सोमवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी। इस मैच में नंबर एक स्थान पर चल रही राजस्थान का पलड़ा भारी है क्योंकि उसे अपने घरेलू मैदान का भी लाभ होगा। टीम ने अब तक 7 मैचों में 6 मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचना तय है। वहीं दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। मुम्बई की टीम ने अब तक 3 मुकाबले ही जीते हैं। 3 जीत हासिल की है।

यह इस सत्र का आखिरी मुकाबला होगा। अभी तक यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही है। इसमें किसी भी मैच में 200 का स्कोर नहीं बना। यहां 197 का लक्ष्य भी हासिल हो चुका है। ऐसे में पिच एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए आसान होने वाली है। यही वजह है कि 200 रन बनने पर किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। पहले गेंदबाजी यहां लाभदायक होगी।

जयपुर में तेज गरमी से खिलाड़ियों के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा। इस मैच में राजस्थान की बल्लेबाजी सैमसन के अलावा पराग , जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल पर आधारित रहेंगी। टीम के पास ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं।

मुंबई की बल्लेबाजी पंड्या के अलावा रोहित शर्मा और सूर्यकुमार पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

30 की उम्र में मुगुरुजा ने टेनिस को अलविदा कहा

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की महिला टेनिस स्टार गार्बाइन मुगुरुजा ने खेल को अलविदा कह दिया है। 30 साल की मुगुरुजा पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। इसी कारण उन्होंने अचानक ही ये कदम उठाया है। वह दो बार मेजर चैम्पियनशिप जीती हैं। 2015 विम्बलडन के अलावा वह 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं।वह जनवरी 2023 के बाद से खेल से बाहर हैं इसी कारण इस खिलाड़ी की लय भी पहले वाली नहीं रही। इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और नई राह पकड़ने का समय आ गया है।

मुगुरुजा ने साल 2016 फ्रेंच ओपन फाइनल में सेरेना विलियम्स और साल 2017 विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। वह एकमात्र खिलाड़ी हैं जो दोनों विलियम्स बहनों को हराने में सफल हुई हैं। उन्होंने अपनी करियर में 10 खिताब रहे हैं। मुगुरुजा महिला टेनिस स्पेन की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रही हैं। उन्हें साथ खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा शीघ्र करेगा बीसीसीआई

-27 या 28 अप्रैल को कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक करेंगे चयनकर्ता

मुम्बई (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए शीघ्र ही टीम की घोषणा करेगा। बीसीसीआई को टी20 विश्वकप के लिए आईसीसी को खिलाड़ियों की सूची एक मई तक देनी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इसके लिए चयनकर्ता 27 या 28 अप्रैल को दिल्ली में कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक कर सकते हैं.

बीसीसीआई प्रमुख अजीत अगरकर भी विदेश से लौट गये हैं। टीम चयन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस रिपोर्ट के अनुसार टीम में 10 खिलाड़ियों का चयन पक्का है, वहीं कुछ खिलाड़ियों पर फैसला उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। टीम में शामिल दस खिलाड़ियों में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या शामिल नहीं हैं। पंड्या को गेंदबाजी किये जाने की स्थिति में ही

शामिल किया जाएगा। आईपीएल सत्र में अब तक पंड्या अधिक गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। टीम इस प्रकार होने की संभावना है।

रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव आदि, वहीं पंड्या की टी20 विश्व कप में जगह आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर आधारित रहेगी। चयनकर्ता हार्दिक के प्रदर्शन पर नजरें रखें हुए हैं। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक वह विफल रहे हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी।

बेंगलुरु की लगातार छठी हार, रोमांचक मुकाबले में कोलकाता ने एक रन से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2024 के 36वें मैच में एक रन से जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही अब आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें भी खत्म होती आ रही हैं क्योंकि यह उनकी छठी हार थी। फिल सॉल्ट की आक्रामक शुरुआत के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ छह विकेट पर 222 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में शानदार बल्लेबाजी के बावजूद विल जैक्स (55) और रजत पाटीदार (52) के अर्धशतकों के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सॉल्ट और सुनील नारायण (10) ने एक बार फिर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाते हुए चार ओवर में 55 रन जोड़ दिये। इस दौरान सॉल्ट ज्यादा आक्रामक दिखे। उन्होंने पहले ओवर में सिराज का छक्के से स्वागत करने के बाद चौथे ओवर में फर्ग्यूसन के खिलाफ दो छक्के और चार चौके की मदद से 28 रन बटोरे। सिराज ने पांचवें ओवर में हालांकि उनकी आतिशी पारी को खत्म कर टीम को बड़ी सफलता दिलाई। अगले ओवर में नारायण दयाल की गेंद को हवा में लहराकर विराट कोहली को कैच दे बैठे।

वेंकटेश अय्यर ने क्रीज पर आते ही दो चौके जड़े

लेकिन दयाल ने अंगकृष रघुवंशी को आउट कर ओवर में दूसरी सफलता दर्ज की। पावर प्ले के बाद केकेआर का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन था। कप्तान श्रेयस अय्यर ने फर्ग्यूसन और कर्ण शर्मा पर चौके के साथ हाथ खोला तो वहीं नौवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आये ग्रीन की शॉट गेंद को वेंकटेश लांग लेग की दिशा में खड़े महिपाल लोमरोर के हाथों में खेल गये। इसी ओवर में रिंकू सिंह के चौके से केकेआर ने रनों का शतक पूरा किया। श्रेयस के साथ कुछ ओवरों तक संभल कर बल्लेबाजी करने के बाद रिंकू ने कर्ण की गेंद को दर्शकों के पास भेजा लेकिन वह दयाल की धीमी गेंद से सामंजस्य नहीं बिठा सके और 16 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हो गए।

श्रेयस ने इसी बीच कर्ण के खिलाफ स्विच हिट पर शानदार चौका जड़ने के बाद 17वें ओवर में दयाल के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर 35 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में ग्रीन की गेंद पर डुप्लेसी को कैच थमा बैठे। रसेल ने ओवर का समापन चौके से किया तो वहीं रमनदीप ने 19वें ओवर में सिराज के खिलाफ लगातार दो छक्के और चौका लगाकर केकेआर के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया।

नौकायन में बलराज को मिला पेरिस ओलंपिक टिकट

चुंगजू । भारत के बलराज पंवार ने एशियाई और ओसनियाई रोइंग ओलंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल्स (एम1एक्स) स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है । इस जीत के साथ ही बलराज ने ओलंपिक टिकट भी हासिल कर लिया है । वह नौकायन से ओलंपिक टिकट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं । बलराज ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित स्पर्धा में हीट में 7ः17.87 और सेमीफाइनल में 7ः16.29 का समय निकालकर फाइनल में जगह बनायी। बलराज इस स्पर्धा में 7ः01.27 का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं कजाकिस्तान के व्लादिस्लाव याकोवलेव ने 6ः59.46 का समय निकालकर स्वर्ण जबकि इंडोनेशिया के मेमो ने 6ः59.74 का समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा अरविंद सिंह और उज्जवल कुमार ने भी पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स (एलएम2एक्स) में कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में केवल शीर्ष दो खिलाड़ियों को ही पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिला । अरविंद और अर्जुन लाल ने फाइनल रेस में 6ः30.11 का समय निकलकर पहले रेपेचेज के जरिए फाइनल में स्थान बनाया ।

आईपीएल में 300 रन भी बनने हुए दिखें तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिये : कार्तिक

कोलकाता । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि जिस प्रकार से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ही कुछ अन्य टीमों के बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उससे आने वाले दिनों में 300 रन भी बनने हुए दिखें तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिये । कार्तिक के अनुसार अब बल्लेबाजों के मन में गेंदबाजों का डर नहीं रहा है । आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर सनराइजर्स हैदराबाद ने इस सत्र में 287 रनों का बनाया है । ये उसने रॉयल चैलेंजर्स बेगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर ही बना दिया था । वहीं टी20 में 300 रन केवल एक बार ही नेपाल ने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ तीन विकेट पर 314 रन बनाये थे। कार्तिक ने कहा, ''मुझे लगता है कि स्कोर लगातार बढ़ता ही जा रहा है । यह बहुत ऊपर आता जा रहा है । वहीं दुनिया भर में इस प्रारूप में खेले जा रहे टूर्नामेंट के इतिहास में आईपीएल के पहले 32 मैच में सबसे ज्यादा 250 रन बने हैं । इससे पता चलता है कि बल्लेबाजा अब गेंदबाजों से डर नहीं रहे हैं । साथ ही कहा कि 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम के कारण भी टीम की बल्लेबाजी आक्रामक हुई है । इस नियम से बल्लेबाजी में लाभ हो रहा है लेकिन गेंदबाजों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है । युवा खिलाड़ी शॉट खेलने के लिए सीमाएं लांघ रहें और वे कुछ शानदार शॉट्स खेल रहे हैं । टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से ही ये सबसे बड़ा बदलाव आया है ।

विनेश, रीतिका और अंशु ने भारत के लिए हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

रावलपिंडी (एजेंसी) । बिश्केक (किर्गिस्तान) - भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन करने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत वापसी करते हुए भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में दमदार प्रदर्शन के बूते महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया।

अंशु मलिक (57 किग्रा) और अंडर-23 विश्व चैम्पियन रीतिका (76 किग्रा) ने भी मजबूत प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। भारत ने अब पेरिस ओलंपिक के लिए चार कोटे हासिल कर लिए हैं। सबसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था।

यह देखना दिलचस्प होगा कि डब्ल्यूएफआई कोटा विजेताओं को भारत का प्रतिनिधित्व करने देता है या राष्ट्रीय कुश्ती टीम चुनने के लिए अंतिम चयन ट्रायल आयोजित करता है। तोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पहलवानों की एक मजबूत टीम उतारी थी जिसमें चार महिलाएं सीमा बिस्ला (50 किग्रा), विनेश

(53 किग्रा), अंशु (57 किग्रा) और सोनम मलिक (62 किग्रा) शामिल थीं। अभी तक किसी भी पुरुष पहलवान ने पेरिस कोटा हासिल नहीं किया है। पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर तुर्की में नौ मई से खेला जाएगा।

यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है। उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक (2016) और तोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था। विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी। विनेश पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी और इस टूर्नामेंट में वह पहली बार दूसरे पीरियड तक पहुंची। एक बार दबदबा बनाने के बाद विनेश को उसे हराने में कोई परेशानी नहीं हुई। चयन ट्रायल जीतने के बाद विनेश 50 किलोवर्ग में खेल रही है। फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को अपने देश के लिए कोटा मिलेगा।

विश्व चैम्पियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंशु ने सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की लेलोखोव सोबोईरोवा पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। अंडर 23 विश्व चैम्पियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया। पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता पर जीता। इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी।

चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8.2 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में रीतिका ने चीनी ताइपे की हुई सिज चांग पर आसानी से 7-0 से जीत हासिल की। मानसी अहलावत (62 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई जिसके लिए उन्हें महज एक मुकाबला जीतने की जरूरत थी। उन्होंने कजाखस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6.4 से हराया। सिर्फ एक भारतीय पहलवान निशा दहिया (68 किलो) सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। उन्होंने पहले दौर में उत्तर कोरिया की सोल गुम पाक को 8.3 से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की मीरिम जुमानाजारोवा से हार गई। तीसरे दौर में किर्गिस्तान की येलेना शालिगिना ने उन्हें हरा दिया।

पाक ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 में हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

लाहौर । बाबर आजम की कप्तानी में उतरी पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 मैच में हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है । पाक टीम ने सीरीज के दूसरे टी20 मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को 90 रनों पर ही आउट कर आसानी से जीत हासिल की । पाकिस्तान ने कीवी टीम को 90 पर आउट करने के बाद जीत का लक्ष्य 12.1 ओवर में 3 विकेट पह ही हासिल कर लिया । सीरीज का पहला टी20 मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था । दूसरे टी20 मैच में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और मोहम्मद आमिर के बाद शादाब खान और अबरार अहमद ने जबरदस्त गेंदबाजी की । इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही । युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब 4 रन बनाकर ही आउट हो गये । इसके बाद कप्तान बाबर आजम भी विफल रहे । बाबर 14 रन ही बना पाये । इसके बाद मोहम्मद रिजवान और युवा इरफान खान ने अच्छी साझेदार कर अपनी टीम को जीत दिलायी । रिजवान ने 34 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए जबकि इरफान खान 18 रन नाबाद रहे । वहीं कीवी टीम की ओर से बेन लिस्टर, माइकल ब्रेसवेल और ईश सोढ़ी ने एक एक खिलाड़ी को आउट किया। इस मैच में पाक ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेहमान टीम 18.1 ओवर में ही 90 रनों पर ही आउट हो गयी । मार्क चैपमैन ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाये जबकि कोले मैककोंची ने 13 रन बनाए । न्यूजीलैंड की शुरआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ओपनर टिम सेइफर्ट शुरआत में ही पेवेलियन लौट गये । इसके बाद उसके विकेट एक के बाद एक गिरते चले गये ।

शमी ने वीडियो जारी कर कहा, उन्हें जल्द टीम में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली । अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टखने की सर्जरी के बाद अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया का वीडियो साझा कर जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद जाहिर की । शमी ने दर्द के बावजूद पिछले साल वनडे विश्व कप में भाग लिया था । वह 24 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल मैच के बाद से चोट के कारण शमी खेल से दूर है । उन्हें इस साल फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी । शमी ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' चोट आपको परिभाषित नहीं करतीं, आपकी वापसी आपको परिभाषित करती है । मैं अपनी टीम के साथ जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं ।'' विश्व कप के बाद से शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद घरेलू सरजमीं पर अफगानिस्तान (टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला) और इंग्लैंड (टेस्ट श्रृंखला) के खिलाफ खेलने से चूक गए । टखने की सर्जरी के कारण वह आईपीएल के मौजूदा सत्र से बाहर है । शमी ने गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो सत्र (2022 और 2023) में 33 मैचों में 48 विकेट लिये हैं ।

अगले चार महीनों में वजन प्रबंधन करना चुनौती होगी: विनेश फोगाट

कोलकाता (एजेंसी)। बिश्केक - ओलंपिक कोटा हासिल कर राहत महसूस कर रही विनेश फोगाट का मानना है कि पेरिस खेलों की तैयारी के लिए 50 किग्रा के सबसे निचले वर्ग में अपना वजन बनाये रखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बिना अंक गंवाये अपना लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा पक्का कर लिया।

विनेश भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध के कारण लगभग डेढ़ साल तक नियमित अभ्यास और खेल से दूर रही। इस दौरान अंतिम पंघाल ने 53 किग्रा वर्ग में कोटा स्थान हासिल कर लिया। विनेश लंबे समय से इसी भार वर्ग में चुनौती पेश करते रही है। देश की सबसे सफल महिला पहलवान के पास ओलंपिक कोटा सुनिश्चित करने के लिए वजन वर्ग बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

विनेश ने 50 किग्रा वर्ग में कोटा सुनिश्चित करने के बाद कहा, 'मुझे अपने वजन को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना होगा। मैंने इतने लंबे समय के बाद अपने वजन को कम कर 50 किलो तक किया है इसलिए मैं इसे जितना संभव हो उतना बनाए रखने की कोशिश करूंगी।' इस 29 साल की पहलवान ने कहा, 'मेरी मांसपेशियां मजबूत हैं, इससे मेरा वजन जल्दी बढ़ जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी फिट हूं, फिर भी मेरा वजन बढ़ता है। मैं सिर्फ अपना वजन नियंत्रित करना चाहती हूं। मेरे पास चार महीने बचे हैं और हर दिन बहुत महत्वपूर्ण है।' विनेश ने कहा, 'मैंने वजन में बदलाव इसलिए किया क्योंकि मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैंने अपनी खुशी से ऐसा नहीं किया। मैंने 50 किग्रा वर्ग में अपने देश के लिए कोटा जीता। मुझे खुशी है कि मैं ओलंपिक में जा सकती हूं। मैं 50 किग्रा वर्ग में जाऊंगा या 53 किग्रा वर्ग में, यह ट्रायल में तय होगा, लेकिन जो भी हो, मैंने अपने देश के लिए कोटा जीता है।' विनेश को इससे पहले रियो और तोक्यो ओलंपिक में निराशा का सामना करना पड़ा है। लेकिन वह अब हर हाल में ओलंपिक पदक के सपने को पूरा करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहती हूं। मुझे कुश्ती करते हुए 20 साल हो गए हैं। मुझे बस ओलंपिक पदक चाहिए। हर कोई इसके लिए काम कर रहा है।' विनेश ने दावा किया था कि वह अवसाद से जूझ रही थीं और यहां तक कि वह कोविड-19 की चपेट में भी आ गई थीं और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ लंबे समय तक विरोध और कानूनी लड़ाई के

कारण मानसिक दबाव काफी बढ़ गया था। इन सब के बावजूद वह बिश्केक में कोटा जीतने में सफल रही। उन्होंने कहा, 'यह कठिन था लेकिन जब आप जीतते हैं तो हर चीज सार्थक हो जाती है। मैं अगले चार पांच दिन शांति के साथ रह सकती हूं। मेरा मुख्य लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं वह करने की कोशिश करूंगी जो पिछले दो ओलंपिक में नहीं कर सकी। मैं इस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हूं।'

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के बैट का वजन होता है कम, महिलाओं के बल्ले का वजन रहता है 1 किलो 100 ग्राम

नई दिल्ली । क्या आपको मालूम है कि महिला क्रिक्रेटरों के लिए तैयार होने वाले बल्ले का पुरुषों के मुकाबले वजन कम होता है । पुरुष के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन जहां 1 किलो 200 ग्राम रहता है । वहीं महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं । उनका वजन 1 किलो 100 ग्राम रहता है । वहीं एक स्पोर्ट्स व्यापारी के अनुसार महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले में वजन के साथ-साथ उसकी हाइट भी कम रहती है । उन्होंने बताया की इन बल्ले की बात की जाए तो यह 33 इंच लम्बाई वाला होता है । वहीं पुरुषों के बल्ले की लंबाई 38 इंच रहती है । एक्सपर्ट के अनुसार भले ही पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन 100 ग्राम कम रहता हो ।

माना जाता है कि घर के आंगन में तुलसी का पौधा हो तो घर का कलह और अशांति दूर होती है। घर-परिवार पर मां लक्ष्मी जी की विशेष कृपा बनी रहती है। इतना ही नहीं प्रतिदिन दही के साथ चीनी और तुलसी के पत्तों का सेवन करना बहुत शुभ माना जाता है।

आपका सौभाग्य जगाएगी
पवित्र तुलसी

तुलसी का तांत्रिक उपाय....

- सबसे पहले तुलसी के 7 पत्ते (तुलसीदल) और 7 काली मिर्च अपनी मुट्ठी में लें।
- इसके बाद जिसकी नजर उतारना है उसे लेटा कर उस बंद मुट्ठी से उक्त व्यक्ति के सिर से पैर तक मंत्र बोलकर 21 बार उतार लें।
- तत्पश्चात काली मिर्च पीड़ित व्यक्ति को चबाने के लिए दें और तुलसी के पत्तों को हाथ से मसलकर निगलने को दें।
- फिर पीड़ित व्यक्ति को लेटा कर उसके पांव के तलवों को किसी कपड़े से सात या ग्यारह बार झाड़ देने से नजर का प्रभाव दूर होता है।

तुलसी के बारे में हिंदू मान्यताओं में बताया गया है कि हर घर के बाहर तुलसी का पौधा होना अनिवार्य है। इतना ही नहीं, बल्कि जो व्यक्ति प्रतिदिन तुलसी का सेवन करता है, उसका शरीर अनेक चंद्रायण व्रतों को फल के समान पवित्रता प्राप्त कर लेता है।

जल में तुलसीदल (पत्ते) डालकर स्नान करना तीर्थों में स्नान कर पवित्र होने जैसा है और जो व्यक्ति ऐसा करता है वह सभी यज्ञों में बैठने का अधिकारी होता है। इतना ही नहीं यह वास्तु दोष भी दूर करने में सक्षम है।

प्रतिदिन तुलसी का पूजन करना और पौधे में जल अर्पित करना हमारी प्राचीन परंपरा है। जिस घर में प्रतिदिन तुलसी की पूजा होती है, वहां सुख-समृद्धि, सौभाग्य बना रहता है। धन की कभी कोई कमी महसूस नहीं होती। अतः हमें विशेष तौर पर प्रतिदिन तुलसी का पूजन अवश्य करना चाहिए। माना जाता है कि घर के आंगन में तुलसी का पौधा हो तो घर का कलह और अशांति दूर होती है। घर-परिवार पर मां लक्ष्मी जी की विशेष कृपा बनी रहती है। इतना ही नहीं प्रतिदिन दही के साथ चीनी और तुलसी के पत्तों का सेवन करना बहुत शुभ माना जाता है।

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार तुलसी के पत्तों के सेवन से भी देवी-देवताओं की विशेष कृपा प्राप्त होती है। दही के साथ तुलसी का सेवन करने से कई प्रकार के आयुर्वेदिक लाभ भी प्राप्त होते हैं। जैसे-दिनभर कार्य में मन लगा रहता है, मानसिक तनाव नहीं रहता, शरीर हमेशा ऊर्जावान बना रहता है।

यदि किसी को अचानक नजर लग जाए तो तुलसी का निम्न तांत्रिक उपाय करने पर लाभ प्राप्त होता है।

असल में कितने देवी-देवता हैं और क्यों?

ऐसी मान्यता है कि हिंदू देवी-देवताओं की संख्या 33 या 36 करोड़ है, लेकिन ये सच नहीं है। वेदों में देवताओं की संख्या 33 कोटी बताई गई है। कोटी का अर्थ प्रकार होता है जिसे लोगों ने या बताने वाले पंडित ने 33 करोड़ कर दिया। यह भ्रम आज तक जारी है। देवी और देवताओं को परमेश्वर ने प्रकाश से बनाया है और ये प्रमुख रूप से कुल 33 हैं। ये सभी ईश्वर के लिए संपूर्ण ब्रह्मांड में कार्य करते हैं। देवताओं को इस्लाम में फरिश्ते और ईसाई धर्म में एंजेल कहते हैं। देवताओं की शक्ति और सामर्थ के बारे में वेद और पुराणों में उल्लेख मिलता है। हालांकि प्रमुख 33 देवताओं के अलावा भी अन्य कई देवदूत हैं जिनके अलग-अलग कार्य हैं और जो मानव जीवन को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं। इनमें से कई ऐसे देवता हैं? जो आधे पशु और आधे मानव रूप में हैं। आधे सर्प और आधे मानव रूप में हैं।

पहले ये सभी देवी और देवता धरती पर निवास करते थे और अपनी शक्ति से कहीं भी आया-जाया करते थे। मानवों ने इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा है और इन्हें देखकर ही इनके बारे में लिखा है। महाभारत काल तक ये देवता धरती पर रहते थे, लेकिन महाभारत काल के बाद सभी अंतरिक्ष में चले गए और कुछ सूक्ष्म रूप में धरती पर रहकर उन्हें जो कार्य सौंप रखा है वह करते हैं।

तीन स्थान और 33 देवता

त्रिलोक्य के देवताओं के तीन स्थान नियुक्त है
– 1. पृथ्वी 2. वायु और 3. आकाश।

प्रमुख 33 देवता ये हैं
12 आदित्य, 8 वसु, 11 रुद्र और इंद्र व प्रजापति को मिलाकर कुल तैतीस देवी और देवता होते हैं। प्रजापति ही ब्रह्मा है, 12 आदित्यों में से एक विष्णु है और 11 रुद्रों में से एक शिव है। कुछ विद्वान इंद्र और प्रजापति की जगह 2 अश्विन कुमारों को रखते हैं। उक्त सभी देवताओं को परमेश्वर ने अलग-अलग कार्य सौंप रखे हैं।

8 वसु
आप,ध्रुव, सोम, धर, अनिल, अनल, प्रत्यूष और प्रभाष।

12 आदित्य
अंशुमान, अर्यमन, इंद्र, त्वष्टा, धातु, पर्जन्य, पूषा, भग, मित्र, वरुण, वैवस्वत और विष्णु।

11 रुद्र
मनु, मन्यु, शिव, महत, ऋतुध्वज, महिनस, उम्रतेरस, काल, वामदेव, भव और धृत-ध्वज ये 11 रुद्र देव हैं। इनके पुराणों में अलग-अलग नाम मिलते हैं।

2 अश्विनी कुमार
अश्विनीकुमार त्वष्टा की पुत्री प्रभा नाम की स्त्री से उत्पन्न सूर्य के दो पुत्र हैं। ये आयुर्वेद के आदि आचार्य माने जाते हैं।

गायत्री के 24 अक्षरों में विद्यमान 24 देवताओं के नाम

1. अग्नि	7. बृहस्पति	13. पूषा	19. मातृक
2. प्रजापति	8. मित्रावरुण	14. इन्द्राग्नि	20. विष्णु
3. चन्द्रमा	9. भग	15. वायु	21. वसुगण
4. ईशान	10. अर्यमा	16. वामदेव	22. रूद्रगण
5. सविता	11. गणेश	17. मैत्रावरूण	23. कुबेर
6. आदित्य	12. त्वष्टा	18. विश्वेदेवा	24. अश्विनीकुमार।

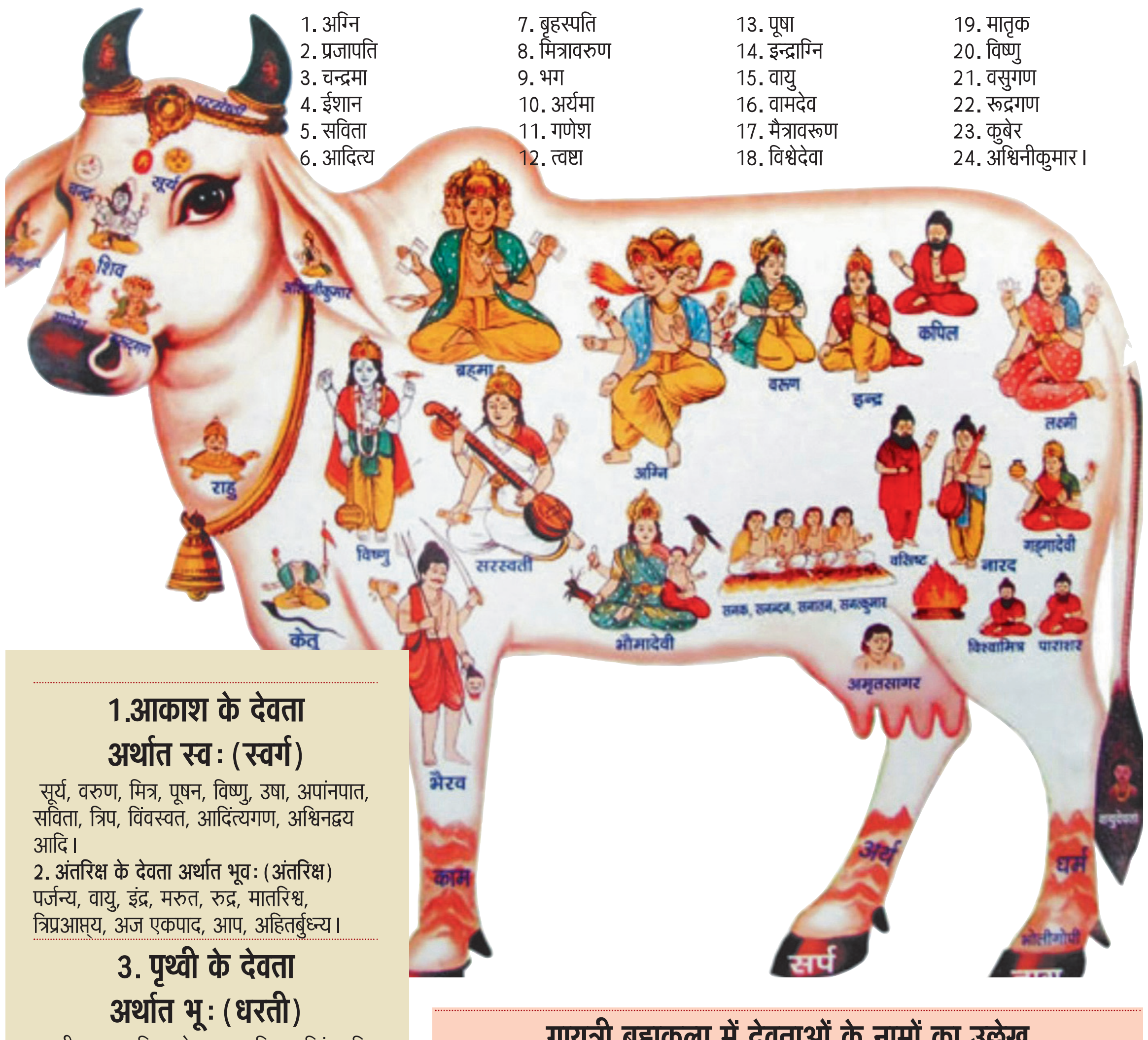

1.आकाश के देवता अर्थात स्वः (स्वर्ग)
सूर्य, वरुण, मित्र, पूषन, विष्णु, उषा, अपांनपात, सविता, त्रिप, विंवस्वत, आदिंत्यगण, अश्विनद्वय आदि।

2. अंतरिक्ष के देवता अर्थात भूवः (अंतरिक्ष)
पर्जन्य, वायु, इंद्र, मरुत, रुद्र, मातरिश्व, त्रिप्रआप्त्य, अज एकपाद, आप, अहितर्बुध्न्य।

3. पृथ्वी के देवता अर्थात भूः (धरती)
पृथ्वी, उषा, अग्नि, सोम, बृहस्पति, नदियां आदि। अज एकपाद और अहितर्बुध्न्य दोनों आधे पशु और आधे मानवरूप हैं। मरुतों की माता की चितकबरी गाय है। एक इन्द्र की वृषभ (बैल) के समान था। राजा बली भी इंद्र बन चुके हैं और रावण पुत्र मेघनाद ने भी इंद्रपद हासिल कर लिया था। इसके अलावा विश्वदेव, आर्यमन, तथा ऋतु नाम के भी देवता हैं। अर्यमनन पित्रों के देवता हैं, तो ऋतु नैतिक व्यवस्था को कायम रखने वाले देवता।

प्राकृतिक शक्तियां
अग्नि, वायु, इंद्र, वरुण, मित्र, मरुत, त्वष्टा, सोम, ऋभुः, द्यौः, पृथ्वी, सूर्य (आदित्य), बृहस्पति, वाक, काल, अन्न, वनस्पति, पर्वत, पर्जन्य, धेनु, पूषा, आपः, सविता, उषा, औषधि, अरण्य, ऋतु, त्वष्टा, श्रद्धा आदि। गायत्री मंत्र के 24 अक्षरों को 24 देवताओं संबंधित माना गया है। इस महामंत्र को 24 देवताओं का एवं संघ, समुच्चय या संयुक्त परिवार कह सकते हैं। इस मंत्र के जाप से 24 देवता जाग्रत हो उठते हैं।

गायत्री ब्रह्मकल्प में देवताओं के नामों का उल्लेख
1-अग्नि, 2-वायु, 3-सूर्य, 4-कुबेर, 5-यम, 6-वरुण, 7-बृहस्पति, 8-पर्जन्य, 9-इन्द्र, 10-गन्धर्व, 11-प्रोष्ठ, 12-मित्रावरूण, 13-त्वष्टा, 14-वासव, 15-मरूत, 16-सोम, 17-अंगिरा, 18-विश्वेदेवा, 19-अश्विनीकुमार, 20-पूषा, 21-रूद्र, 22-विद्युत, 23-ब्रह्म, 24-अदिति । 33 देवी और देवताओं के कुल के अन्य बहुत से देवी-देवता हैं- सभी की संख्या मिलाकर भी 33 करोड़ नहीं होती,लाख भी नहीं होती और हजार भी नहीं। वर्तमान में इनकी पूजा होती है।

शिव-सती
सती ही पार्वती है और वहीं दुर्गा है। उसी के नौ रूप हैं। वही दस महाविद्या है। शिव ही रुद्र हैं और हनुमानजी जैसे उनके कई अंशावतार भी हैं।

विष्णु-लक्ष्मी
विष्णु के 24 अवतार हैं। वहीं राम है और वही कृष्ण भी। बुद्ध भी वही है और नर-नारायण भी वही है। विष्णु जिस शेषनाग पर सोते हैं वही नाग देवता भिन्न-भिन्न रूपों में अवतार लेते हैं। लक्ष्मण और बलराम उन्हीं के अवतार हैं।

ब्रह्मा-सरस्वती
ब्रह्मा को प्रजापति कहा जाता है। उनके मानसपुत्रों के पुत्रों में कश्यप ऋषि हुए जिनकी कई पत्नियां थी। उन्हीं से इस धरती पर पशु, पक्षी और नर-वानर आदि प्रजातियों का जन्म हुआ। चूंकि वह हमारे जन्मदाता हैं इसलिए ब्रह्मा को प्रजापिता भी कहा जाता है।

निष्कर्ष
आपने देखा की 12 आदित्यों में से ही एक विष्णु और 11 रुद्रों में से ही एक शिव और ब्रह्मा को ही प्रजापति कहा गया है। 8 वसु भी दक्षकन्या वसु के पुत्र थे जिनके पिता कष्यप ऋषि थे और 11 रुद्रों के पिता भी कश्यप ऋषि थे। रुद्रों की माता का नाम सुरभि था।

क्या आप भी देखते हैं धन के सपने...

जीवन में कई बार हमें विचित्र किस्म के सपने आते हैं जिनका वर्तमान से तालमेल बैठाना मुश्किल होता है। अगर हम एकाग्र होकर, गहराई से उनका विश्लेषण करें तो उनके इशारे और परिणाम को जानने में सफलता मिल सकती है।

* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में स्वयं को प्याज खाता हुआ देखता है तो उसको खोई हुई प्रतिष्ठा मिल जाती है अथवा कोई गड़ा पड़ा धन मिल जाता है।
* स्वप्न में व्यक्ति सफेद कबूतर देखता है तो उसे विदेश में सम्मान मिलता है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में यह देखे कि उसके पास भेड़ बकरियां अथवा गाएं हैं तो उसके धन एवं समृद्धि में आशातीत वृद्धि होती है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में अपनी नाक को बहुत बड़ी देखे तो उसे आदर-सम्मान प्राप्त होता है।
* यदि कोई व्यक्ति स्वप्न में देखे कि वह भिखारी हो गया है तो उसकी समृद्धि दिनोंदिन बढ़ती है।
* यदि कोई औरत स्वप्न में बुलबुल या किसी अन्य चहचहाने वाले पक्षी को देखे तो उसे संतान की प्राप्ति होती है

पाकिस्तान में 21 सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान में कड़ी सुरक्षा के बीच नेशनल असेंबली और प्रांतीय असेंबली की कुल 21 सीटों पर उपचुनाव के लिए रविवार को मतदान किया गया । मतदान के दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के कुछ जिलों में मोबाइल और इंटरनेट सेवा वाधित रही है । इसके जानकारी दे रहे पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने बताया कि सुबह आठ बजे से शुरू हुआ मतदान शाम पांच बजे तक जारी रहा । मतदान की आधिकारिक समय अवधि खत्म होने के बाद जो मतदाता केंद्र में मौजूद रहे उन्हें वोट डालने की अनुमति दी जाएगी । यहां बतला दें कि पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय असेंबली के लिए 08 फरवरी को चुनाव संपन्न हुआ था । विभिन्न कारणों से नेशनल असेंबली की एक सीट और पंजाब असेंबली की दो और खैबर-पख्तूनख्वा असेंबली की एक सीट के लिए मतदान रद्द कर दिया गया था । इसके अलावा, जिन प्रत्याशियों ने एक से अधिक सीट जीत लीं थीं उनके एक सीट छोड़ने के कारण पाकिस्तान निर्वाचन आयोग को 21 सीट पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है । इनमें नेशनल असेंबली की 05 और प्रांतीय असेंबली की 16 सीटें शामिल हैं । पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने सरकार से अनुरोध किया था कि उपचुनाव के दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के कुच्छ जिलों में मोबाइल फोन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी जाएं, जिसके चलते सरकार ने चुनिंदा जिलों में इसे लागू कर दिया था । उपचुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने सेना के जवान और संबंधित अधिकारियों द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं ।

चिपचिपी खदान विस्फोट एक की मौत, तीन जख्मी

काबुल । पश्चिमी काबुल शहर में एक खदान में हुए विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं तीन अन्य घायल हो गए हैं । घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है । स्थानीय मीडिया ने जादरान के हवाले से कहा कि पुलिस डिस्ट्रिक्ट-3 के कोट-ए-संगी इलाके में एक चिपचिपी खदान में विस्फोट हुआ जिसकी चपेट में एक कार आ गई जिसमें सवार लोगों में कार चालक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए । सभी घायल आम नागरिक हैं । पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जांच शुरू कर दी है । घटना शनिवार की बताई जा रही है । अबतक किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है ।

ताइवान में समुद्री क्षेत्र में आया भूकंप, जानमाल का नुकसान नहीं

ताइपे । ताइवान के हुलिएन काउंटी शहर में आज भूकंप के झटके लगे । भूकंप के कारण किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है । जानकारी के अनुसार ताइवान के हुलिसन काउंटी में सुबह 10-40 बजे समुद्री क्षेत्र में 5.0 तीव्रता वाले भूकंप के इटके महसूस किए गए । भूकंप की जानकारी चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने दी । जानकारी में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र 23.49 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 121.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था और इसकी गहराई 20 किमी थी । भूकंप में अब तक किसी के हताहत होने या अन्य नुकसान की खबर नहीं है । ताइवान में लोगों को अलर्ट कर दिया गया है ।

नाव डूबने से 58 लोगों की मौत, कई लापता, तलाश जारी

बांगुई । मध्य अफ्रीकी गणराज्य में नाव पलटने से 58 लोगों की मौत हो गई । नाव खचाखच भरी हुई थी और उसमें सवार लोग किसी के अंतिम संस्कार में जा रहे थे । यह दुर्घटना शुक्रवार को सीएआर की राजधानी बांगुई के पास मपोको नदी में हुई । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मीटर लंबी और तीन मीटर चौड़ी नाव में 300 से ज्यादा लोग सवार थे, जो ग्राम प्रधान के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे । नाव खचाखच भरी हुई थी । क्षमता से अधिक लोगों के नाव पर सवार होने से नाव अनियंत्रित होकर नदी में पलट गई जिसमें कम से कम 58 लोगों की मौत हो गई है । शनिवार को स्थानीय रेडियो स्टेशन गुइरा द्वारा जारी जानकारी से पता चला है कि अबतक 58 शवों को नदी से निकाला जा चुका है और अभी तक पानी में डूबे लोगों की संख्या का पता नहीं चल सका है । डूबे लोगों की तलाश की जा रही है ।

जापान नेवी के दो हेलिकॉप्टर हुए दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, 07 लापता

टोकियो । टोकियो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गए । इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 07 अन्य लोग लापता बताए गए हैं । इस घटना की जानकारी रक्षा मंत्रालय ने रविवार 21 अप्रैल को दी है । आशंका जाहिर करने वालों का कहना है कि शनिवार रात प्रशिक्षण के दौरान दोनों हेलीकॉप्टर एक दूसरे से टकरा गए होंगे । इन हेलीकॉप्टर में चालक दल के 08 सदस्य मौजूद थे । रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने घटना की जानकारी देते हुए प्रेस को बताया कि समुद्री आत्मरक्षा बल (एमएसडीएफ) के दो एसएच-60 के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य मौजूद थे और शनिवार देर रात टोकियो से लगभग 600 किलोमीटर दक्षिण में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया । उन्होंने आगे बताया कि इस हादसे का कारण अभी साफ नहीं हो पाया है, लेकिन दोनों हेलीकॉप्टर संभवत- आपस में टकराने के बाद पानी में गिरे होंगे । उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने एक उड़ान डेटा रिकॉर्डर के साथ ही दोनों ही हेलीकॉप्टर से एक ब्लेड और एक ही क्षेत्र में दोनों हेलीकॉप्टर के टुकड़े बरामद किए हैं, जो संकेत देते हैं कि दोनों एसएच-60 के एक-दूसरे के करीब उड़ रहे थे । अब अधिकारी डेटा एकत्र कर यह मालूम करेंगे कि दुर्घटना किन कारणों से हुई । उन्होंने बताया कि एमएसडीएफ ने चालक दल के लापता सदस्यों की तलाश और बचाव के लिए 08 युद्धपोत और 05 विमान तैनात किए हैं ।

महिला ने जन्मदिन पार्टी मना रहे लोगों को कार से रौंदा, 2 की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के मिशिगन राज्य में कथित तौर पर नशे की हालत में कार चला रही एक महिला ने जन्मदिन पार्टी मना रहे लोगों को रौंद दिया, जिससे भाई-बहन की मौत हो गई जबकि 15 अन्य लोग घायल हो गए । जानकारी अनुसार इस घटना में हुए घायलों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है । मिशिगन के मोनरोए काउंटी शेरिफ ट्रॉय गुडनॉघ ने हादसे की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि हादसे में एक 08 वर्षीय बच्ची और उसके 05 वर्षीय भाई की मौके पर ही मौत हो गई । उन्होंने बताया है कि करीब 66 वर्षीय एक महिला ने डेट्रॉयट से करीब 30 किमी दूर दक्षिण में स्थित बर्लिन टाउनशिप में दोपहर करीब 03 बजे एक इमारत में हो रही जन्मदिन पार्टी में कार घुसा दी । पुलिस ने उक्त कार चालक महिला की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन उसे नशे की हालत में कार चलाकर लोगों की जान लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है ।

काबुल में विस्फोट, एक की मौत, तीन लोग घायल

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को एक 'स्टिकी बम' फटा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 03 लोग घायल हो गए । पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि बम एक कार में लगाया गया था, जिस कारण कार चालक की मौत हुई है । यह घटना काबुल के शिया बहुल इलाके में होना बताया गया है । पुलिस सूत्र बता रहे कि बम एक कार में लगाया गया था, जिसमें विस्फोट होने से कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई । घटना की संक्षिप्त जानकारी देने वाले काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद ज़दरान ने यह नहीं बताया कि घायाल तीन लोग क्या कार में सवार थे, या आस-पास ही खड़े थे । खालिद जदरान ने यह जरुर कहा कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है, और मआयना कर रही है, लेकिन घटना की विस्तृत जानकारी उन्होंने मीडिया को नहीं दी । यहां बतला दें कि यह विस्फोट वाणिज्यिक और रिहायशी इलाके कोत-ए-संगी में शनिवार की शाम को हुआ था । विस्फोट की जानकारी किसी आंतकी संगठन या समूह ने नहीं ली है ।

अमेरिका में टिक-टॉक पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निचले सदन 'हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव' ने टिक-टॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले एक विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी है । इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि चीनी नागरिक के स्वामित्व वाले लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक-टॉक अपने अमेरिकी कारोबार को नहीं बेचता तो उस पर देश में प्रतिबंध लगाया जा सकता है ।

गाजा में इजरायली हमले में बंधक बनाये गये लोगों को रिहा कराने में असफल रहने पर राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू का विरोध करते हुए लोग।

पहली बार दूध में मिला बर्ड फ्लू वायरस : डब्ल्यूएचओ

वाशिंगटन । पहली बार दूध में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है । डब्ल्यूएचओ ने कहा कि एच 5एन1 बर्ड फ्लू वायरस स्ट्रेन संक्रमित जानवरों के कच्चे दूध में बहुत अधिक मात्रा में मिला है, हालांकि यह वायरस दूध में कितने समय तक जीवित रह सकता है । इस लेकर अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है । एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) पहली बार 1996 में उभरा लेकिन 2020 के बाद से संक्रमित स्तनधारियों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ पक्षियों में इसके प्रकोप की संख्या तेजी से बढ़ी है । इस कारण लाखों मुर्गे-मुर्गियों की मृत्यु हो गई है, साथ ही जंगली पक्षी और भूमि और समुद्री स्तनधारी भी संक्रमित हुए हैं । पिछले माह गायों और बकरियों में भी बर्ड फ्लू के लक्षण पाए गए थे । विशेषज्ञों के लिए एक आश्चर्यजनक प्रगति क्योंकि उन्हें इस प्रकार के इन्फ्लूएंजा के प्रति संवेदनशील नहीं माना जाता था । अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि टेक्सास में एक डेयरी फार्म पर काम करने वाला एक व्यक्ति मवेशियों के संपर्क में आने के बाद बर्ड फ्लू से उबर रहा है । विश्व स्वास्थ्य संगठन में वैश्विक इन्फ्लूएंजा कार्यक्रम के प्रमुख वेनकिंग झांग ने कहा, टेक्सास में मामला गाय द्वारा एवियन इन्फ्लूएंजा से संक्रमित किसी मानव का पहला मामला है । झांग ने बताया, इन मौजूदा प्रकोपों के दौरान पक्षी से गाय, गाय से गाय और गाय से पक्षी में संचरण भी दर्ज किया गया है, जो बताता है कि वायरस ने संक्रमण के अन्य मार्ग ढूंढ लिए हैं, जितना हम पहले समझते थे । अमेरिका में बर्ड फ़्लू के लिए किसी मानव के सकारात्मक परीक्षण का यह केवल दूसरा मामला था, और यह वायरस के झुंडों को बीमार करने के बाद आया था जो स्पष्ट रूप से जंगली पक्षियों के संपर्क में थे ।

इजराइल के खिलाफ चल रहे अमेरिका पर भड़के इजराइली पीएम नेतन्याहू

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के दौरान इजराइली सेना पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं। अब अमेरिका ने इजराइल के प्रति नाराजगी जाहिर की है। खबर है कि अमेरिका वहां आम लोगों को निशाना बनाने के आरोप में इजराइली रक्षा बलों की एक यूनिट पर प्रतिबंधों की घोषणा कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो किसी इजराइली सैन्य टुकड़ी के खिलाफ बाइडन प्रशासन की पहली कार्रवाई होगी। इजरायली सेना की इस टुकड़ी का नाम नेत्ज़ाह येहुदा बटालियन है। खबरों के मुताबिक लीही कानूनों के तहत, नेत्ज़ाह येहुदा सैनिक अमेरिकी सैनिकों के साथ प्रशिक्षण नहीं ले पाएंगे या अमेरिकी फंडिंग के साथ किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। इन प्रतिबंधों से बटालियन को अमेरिकी हथियारों के हस्तांतरण पर भी रोक लग जाएगी।

अमेरिका के इस संभावित कदम से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू खासे नाराज दिख रहे हैं। उन्होंने ऐसी कार्रवाई को 'बेतुकेपन की पराकाष्ठा और नैतिक निम्नता' करार दिया है। नेतन्याहू ने ट्वीट किया, 'इजरायल रक्षा बलों पर प्रतिबंध नहीं लगाए जाने चाहिए ! हाल के हफ्तों में, मैं इजरायली नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ काम कर रहा हूं, जिसमें वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब हमारे सैनिक आतंक के राक्षसों से लड़ रहे हैं, आईडीएफ की एक इकाई पर प्रतिबंध लगाने का इरादा बेतुकापन और नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। मेरे नेतृत्व वाली सरकार इन कदमों के खिलाफ हर तरह से कार्रवाई करेगी।'

बता दें कि नेत्ज़ाह येहुदा, बेहद कट्टर पैदल सैनिकों की टुकड़ी है। इसमें केवल ऐसे ही सैनिक शामिल होते हैं जो अपनी मान्यताओं से समझौता किए बिना स्वतंत्र रूप से फोर्स की सेवा कर सकते हैं। इन सैनिकों को महिला सैनिकों के साथ बातचीत करने की अनुमति नहीं है और उन्हें धार्मिक अध्ययन एवं प्रार्थना के लिए अतिरिक्त समय दिया जाता है। दिसंबर 2022 में इज़रायल ने इस यूनिट को वेस्ट बैंक से बाहर ट्रांसफर कर दिया था और तब से यह ज्यादातर देश के उत्तरी हिस्सों में सेवा दे रहा है। हालांकि, यहूदी राज्य ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि सैनिकों के आचरण के कारण बटालियन को स्थानांतरित कर दिया गया था। नेत्जाह येहुदा दक्षिणपंथी उग्रवाद और फ़िलिस्तीनियों के ख़िलाफ़ हिंसा को लेकर पिछले कई दिनों से विवादों में घिरी रही है। इसमें 78 साल के फ़िलिस्तीनी-अमेरिकी नागरिक उमर असद की मौत भी शामिल है, जिनकी बटालियन के सैनिकों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उसके हाथों में हथकड़ी डालकर और आंखों पर पट्टी बांधकर कड़ाके की ठंड में बाहर छोड़ दिया गया था, जिससे उनकी मौत हो गई।

लंदन मेयर पद की दौड़ में दिल्ली के तरुण, पाकिस्तानी सादिक को देंगे चुनौती

-अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना तरुण का प्रमुख उद्देश्य

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के लंदन में मेयर का चुनाव होने वाले हैं। लंदन में मेयर पद पर पाकिस्तान मूल के सादिक खान तीसरी बार जीत चुके हैं। लेकिन इस उन्हें भारतीय मूल के तरुण गुलाटी चुनोती दे रहे हैं। गुलाटी इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरेंगे।

दो मई को होने वाले मेयर चुनाव में 63 वर्षीय भारतीय मूल के तरुण गुलाटी पाकिस्तान मूल के सादिक खान को चुनौती देने उतर रहे हैं। मेयर पद के लिए उनकी लड़ाई 13 अन्य उम्मीदवारों से होने वाली है। गुलाटी ने कहा कि वह लंदन को एक अनोखे वैश्विक शहर के तौर पर देखता हैं। यह विश्व के वैश्विक बैंक की तरह है, जहां दुनियाभर के लोग आते हैं। दिल्ली में जन्मे तरुण का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी राजनीतिक पार्टियों ने दुखी किया है। वह लंदन को अनुभवी सीईओ की तरह चलाना चाहते हैं, जिससे सभी को लाभ मिल सके।

उन्होंने आगे कहा कि मेयर के तौर पर मैं लंदन की बैलेंस शीट इस तरह से तैयार करूंगा कि यह निवेश के लिए विकल्प बन सके और सभी नागरिकों की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित हो। लंदन को प्रभावी ढंग से बदलूंगा। इस यात्रा में आप सभी शामिल होंगे। लंदन की सड़कों में सुरक्षा उनके मुख्य एजेंडा में प्रमुख है।

लंदन में लेबर पार्टी के मौजूदा नेता सदिक खान की कुछ अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना भी तरुण का प्रमुख उद्देश्य है। तरुण गुलाटी ने कहा, हम यूएलईजेड, एलटीएन जैसी खराब नीतियां नहीं चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन हो रहा है और हमें इसके प्रभावों को कम करने की जरूरत है। हमें जो भी परिवर्तन करना होगा, वह जनता की राय लेकर ही करेंगे। तरुण ने मेयर पद के लिए कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार सुजैन हॉल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक लंदन असेंबली के सदस्य होने के बावजूद वह इन नीतियों को रोकने में नाकाम रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक उम्मीदवार वह करते जो उन्हें करना चाहिए था, तो मैं मेयर पद की दौड़ में कभी शामिल नहीं होता। तरुण किफायती आवासीय व्यवस्था, पर्यटन को बढ़ावा देना, मुफ्त स्कूल भोजन सुनिश्चित करना और काउंसिल टैक्स को कम करने जैसे मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

– पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई करने का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी को पाकिस्तान की गुपचुप मदद करना भारी पड़ा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को लंबी दूरी की मिसाइल सहित बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई करने के आरोप में इन पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीन, पाकिस्तान का सदाबहार दोस्त है, वह पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य सप्लायर रहा है। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें शियान लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल है, जबकि बेलारूस के मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां ऐसी गतिविधियों या लेन-देन में लिप्त पाई गई हैं, जिन्होंने सामूहिक विनाश के हथियारों या उनके वितरण के साधनों के प्रसार में भौतिक रूप से योगदान दिया है या जोखिम पैदा किया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा निर्माण, अधिग्रहण, स्वामित्व, विकास, परिवहन में सहयोग शामिल हैं। अमेरिका के कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि हम निर्यात नियंत्रण के राजनीतिक उपयोग को अस्वीकार करते हैं। बलोच ने कहा कि यह सर्वविदित है कि उन्हीं न्यायाधिकार क्षेत्रों ने, जो परमाणु अप्रसार नियंत्रणों का कड़ाई से पालन करने का दावा करते हैं, कुछ देशों के लिए उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों के लिए लाइसेंसिंग आवश्यकताओं को माफ कर दिया है। वह स्पष्ट रूप से अमेरिका द्वारा भारत जैसे देशों को अत्याधुनिक हथियारों के निर्यात की अनुमति देने का जिक्र कर रही थीं। बलोच ने इस्लामाबाद में कहा कि इस तरह के भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और दोहरे मानदंड सैन्य विषमताओं को बढ़ाकर परमाणु अप्रसार प्रशासन की विश्वसनीयता और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और सुरक्षा के उद्देश्यों को कमतर कर रहे हैं।

रूस तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने पर कर रहा है विचार

न्यू कैसल (ब्रिटेन) (एजेंसी)। । अधिकारियों ने संकेत दिया है कि रूस फिलहाल तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने पर विचार कर रहा है। इस संबंध में हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन उनके बढ़ते सौहार्दपूर्ण संबंधों का एक संकेत मई में रूस के कजान शहर में आयोजित होने वाले एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच के लिए तालिबान का निमंत्रण है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने पहले भी तालिबान के साथ चर्चा शुरू की है, और जब संगठन ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया तो रूस एक राजनयिक को मान्यता देने वाले कुछ देशों में से एक था।

अफगानिस्तान के राजनीतिक एवं आर्थिक संकट और यूक्रेन युद्ध के कारण रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का मतलब है कि दोनों पक्षों को मजबूत रिश्ते से कुछ हासिल करना होगा। वर्ष 1999 में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव 1267 को अपनाया था। कुछ महीने बाद, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को लागू करने और तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने संबंधी एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए। रूस के उच्चतम न्यायालय ने 2003 में तालिबान को आतंकवादी संगठन घोषित करते हुए कहा कि इसने चेचन्या में अवैध सशस्त्र बलों के साथ संबंध बनाए रखे और उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान तथा किर्गिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश की।

रूस ने खुद को एक शांति दूत के रूप में पेश करने प्रयास के रूप में अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच बातचीत के लिए 2017 में एक क्षेत्रीय पहल शुरू की। इन वार्ताओं का उद्देश्य अफगानिस्तान संकट का समाधान निकालना था। अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से, किसी भी देश ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। तालिबान चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध वापस लिए जाएं और जब्त की गई संपत्तियों को मुक्त किया जाए ताकि देश के आर्थिक विकास में मदद मिल सके।

यदि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध वापस ले लिए जाते हैं, तो अफगानिस्तान को महत्वपूर्ण लापीस-लाजुली व्यापार गलियारे के विकास से आर्थिक रूप से लाभ होना चाहिए जो अफगानिस्तान को इस्तांबुल और यूरोप और उज्बेकिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान रेलवे लाइन से जोड़ता है। रूस द्वारा तालिबान को अपनी आतंकवाद सूची से हटाना वर्तमान अफगानिस्तान सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता की दिशा में पहला कदम होगा। तालिबान के साथ सहयोग से रूस को भी लाभ होता है।

इसका लक्ष्य खुद को क्षेत्र के सुरक्षा प्रदाता के रूप में पेश करना है। क्षेत्र की स्थिरता, मादक पदार्थों की तस्करी और इस्लामी आतंकवाद के खतरों के बारे में भी चिंताएं है, खासकर मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल पर हाल में आईएसआईएस-के हमले के बाद। क्षेत्र में अपनी भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने के लिए, रूस पहले से बनाए गए गठबंधनों का इस्तेमाल कर सकता है। तालिबान और रूस के बीच बढ़ते सहयोग का रूस और पश्चिम के बीच चल रही प्रतिद्वंद्विता के संदर्भ में निहितार्थ है। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से, रूस ने अन्य देशों को अपने इस रणनीतिक दृष्टिकोण को समझाने का प्रयास किया है कि युद्ध क्यों हो रहा है।

जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, सात लापता

बीजिंग । जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर के तोक्यो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग अभी लापता है । ऐसी संभावना जताई जा रही है कि शनिवार रात प्रशिक्षण के दौरान दोनों हेलीकॉप्टर एक दूसरे से टकरा गए । इन हेलीकॉप्टर में चालक दल के आठ सदस्य थे । रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने संवाददाताओं को बताया कि समुद्री आत्मरक्षा बल (एमएसडीएफ) के दो एसएच-60के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य सवार थे और शनिवार देर रात तोक्यो से लगभग 600 किलोमीटर दक्षिण में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया । किहारा ने बताया कि इस हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है लेकिन दोनों हेलीकॉप्टर संभवत- आपस में टकराने के बाद पानी में गिरे । उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने एक उड़ान डेटा रिकॉर्डर, प्रत्येक हेलीकॉप्टर से एक ब्लेड और एक ही क्षेत्र में दोनों हेलीकॉप्टर के टुकड़े बरामद किए हैं, जो संकेत देते हैं कि दोनों एसएच-60के एक-दूसरे के करीब उड़ रहे थे । अधिकारी यह पता लगाने के लिए उड़ान संबंधी डेटा का विश्लेषण करेंगे कि दुर्घटना का कारण क्या था ।

इजरायल और ईरान की जंग बनेगी तीसरे विश्वयुद्ध का कारण : बाबा वेंगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बुल्गारिया के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले बाबा वेंगा की ज्यादातर भविष्यवाणियां सच हुई हैं। उन्होंने यूक्रेन में चेरनोबिल आपदा, राजकुमारी डायना की मृत्यु, न्यूयॉर्क में 9/11 अटैक और यहां तक कि अपनी मौत के बारे में भी बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी की थी, जो बिल्कुल सच साबित हुई थी। 2024 के लिए उनकी भविष्यवाणी में कहा गया है कि ईरान के साथ तनाव में ब्रिटेन और अमेरिका सहित सभी पश्चिमी देशों के इजरायल के समर्थन में खड़े होने की संभावना है। ईरान रूस का समर्थन करता है और पुतिन यूक्रेन को खत्म करने के लिए स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। अगर ऐसा हुआ तो परमाणु युद्ध की ओर हालात बढ़ सकते हैं। अगर रूस ने जंग शुरू की तो अमेरिका और पश्चिमी देश चुप नहीं बैठेंगे। ईरान को सजा देने के लिए इजरायल को ताकत देंगे। उसे हथियार, गोला-बारूद मुहैया कराएंगे। क्योंकि उनका तो एक ही सपना है, हम पुतिन को यूक्रेन में जीतने नहीं दे सकते, हम ईरान को इजरायल को नष्ट करने नहीं दे सकते। हम जितना मजबूत होंगे, हम उतने ही सुरक्षित रहेंगे।सबसे ज्यादा डराने वाली भविष्यवाणी उन्होंने 2024 के लिए की थी, जिसमें तृतीय विश्व युद्ध की चेतावनी दी गई थी। बाबा वेंगा ने कहा था कि 2024 में आतंकी घटनाओं की लहर सी आएगी। एक प्रमुख देश जैविक हथियारों का टेस्ट भी कर सकता है। इसके सबूत भी मिलने लगे हैं। क्योंकि रूस में भयानक आतंकी हमला हुआ। एक्सपर्ट उनकी उस भविष्यवाणी को ज्यादा डराने वाली बता रहे हैं, जिसमें विश्वयुद्ध की बात कही गई है। बकिंघम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंथनी ग्लीज ने कहा, ईरान-इजरायल के बीच तनाव ने इस आशंका को और बढ़ा दिया है। दुनिया की शांति एक धागे पर लटकी हुई है। यह धागा कभी भी टूट सकता है। ग्लीज ले कहा, ईरान के साथ रूस के घनिष्ठ संबंध हैं। इसलिए उसे इस जंग में घसीटा जा सकता है। क्योंकि ईरान रूस को मिसाइल और लड़ाकू जेट सहित यूक्रेन में इस्तेमाल होने वाले कई हथियार मुहैया करा रहा है। यह पश्चिमी देशों को पसंद नहीं आ रहा है। वे किसी भी तरह रूस को रोकना चाहते हैं। उसे फंसाना चाहते हैं।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली को पुलिस ने ढेर कर दिया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 80 नक्सली मारे जा चुके हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के केशकुतुल गांव के पास एक जंगल में कई नक्सलियों के होने की सूचना मिली। सुबह करीब साढ़े पांच बजे गोलीबारी शुरु होगी। जब डीआरजी की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित केशकुतुल-केशमुंडी जंगलों में नक्सलियों के डिवीजन सप्लाई टीम कमांडर कवासी पंडारू और 15-20 अन्य कैडरों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। दोनों और से गोलीबारी शुरु हुई जिसमें एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से एक नक्सली का शव, एक हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इस मुठभेड़ से पहले सुकमा में दो इनामी समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला नक्सली भी है जो पूर्व में एसजेडसीएम बारसे देवा की गार्ड रही है। समर्पण करने वालों में एक लाख का इनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष कवासी हुंगा, नुप्पो भीमा मिलिशिया डिप्टी कमांडर शामिल है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने छग के पूर्व आईएएस अधिकारी को किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी देते बताया कि ईडी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर में आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय से हिरासत में ले लिया जहां अधिकारी अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा उसी मामले में अपना बयान दर्ज करने गए थे। सूत्रों ने कहा कि अनिल टुटेजा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावि ?धानों के तहत हिरासत में लिया गया है और उनकी रिमांड की मांग करते हुए कोर्ट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। अनिल टुटेजा पिछले साल ही अपने पद से रिटायर्ड हुए थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आयकर विभाग की शिकायत पर आधारित अपनी पिछली एफआईआर को रद्द करने के बाद ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में एक नया मनी लॉन्ड्रिंग मामला दर्ज किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में बेची गई शराब की हर बोतल से अवैध रूप से धन जमा किया गया है और रायपुर मेयर के बड़े भाई के नेतृत्व में शराब सिंडिकेट द्वारा 2,000 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत मिले हैं। इसी के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है।

मणिपुर में 22 अप्रैल को दोबारा होगी वोटिंग

- 11 मतदान केंद्रों पर पड़ेगे वोट

इम्फाल । मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घोषणा की है कि मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग की जाएगी। 22 अप्रैल को दोबारा वोटिंग कराई जाएगी। बता दें ?कि निर्वाचन आयोग ने 19 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग को अमान्य घोषित करने और दोबारा से मतदान कराने को कहा था, इसके बाद ही ये फैसला आया है मणिपुर निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यहां के खुरई निर्वाचन क्षेत्र के मोइरंगकम्पु साजेब और थोंगम लीकाई, क्षेत्रीगाओ के 4, इंफाल पूर्वी जिले के थोंगजू में 1, उरीपोक में 3 और इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजम में 1 मतदान केंद्रों पर दोबारा से वोट डाले जाएंगे। 19 अप्रैल को हुई वोटिंग के दौरान जातीय संघर्ष के चलते तनाव ग्रसित चल रहे मणिपुर के इन केंद्रों से गोलीबारी, धमकी देने और कुछ बूथों पर ईवीएम में तोड़-फोड़ करने जैसे मामले दर्ज हुए थे। मणिपुर की दो लोकसभा सीट इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को लोकसभा के पहले चरण में मतदान हुआ था, इस दौरान 72 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। मणिपुर में वोटिंग के दौरान हुई घटनाओं के मद्देनजर कांग्रेस ने मणिपुर के 47 मतदान केंद्रों पर फिर से वोटिंग कराए जाने की मांग की थी।

भाजपा अकेले ही जीतेगी 350 सीटें, जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। कम मतदान ने राजनीतिक दलों और आयोग को चिंता में डाल दिया है लेकिन, दूसरे चरण में सभी राजनीतिक दल और उनके नेता बंपर वोटिंग की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस बीच जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की है। उन्होंने दावा किया कि इस बार भाजपा को 330 से 350 सीटें मिल सकती है। इतना ही नहीं भाजपा तमिलनाडु जैसे राज्य में 5 सीट हासिल कर सकती है। अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने अपनी नई किताब हाउ वी वोट का विमोचन किया, ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि भाजपा को इस आम चुनाव में 330 से 350 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने दावा किया भाजपा अपने दम पर 330 से 350 सीटें जीत सकती है। यहां उन्होंने सिर्फ भाजपा की बात की एनडीए की नहीं। सुरजीत की भविष्यवाणी के मुताबिक 2024 के चुनाव में भाजपा को 5 से 7 फीसदी ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को 44 सीटें मिल सकती हैं। भल्ला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। यह सच है कि अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा मायने रखती है, लेकिन नेतृत्व भी दूसरे नंबर पर आता है और इन दोनों पक्षों में भाजपा की स्थिति मजबूत है। अगर विपक्ष एक ऐसे नेता का चयन कर लेता जो पीएम मोदी तुलना में आधी भी अपील करता तो हो सकता था कि इस बार का चुनाव रोचक और कड़ा हो सकता था।

भारत में महिलाओं की लाइफ लाइन हुई बेहतर.....68 से 71 हुई उम्र

नई दिल्ली । भारत की आबादी लगातार बढ़ रही है। कुछ समय पहले भारत ने चीन को भी मामले में पछाड़ दिया है। रिपोर्ट्स की मानें हर साल देश की आबादी 1 प्रतिशत बढ़ रही है। अब यूएनएफपीए ने रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भारत की अब डेढ़ अरब पहुंच गई है। वहीं महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। इसमें बताया गया हैं कि महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में लगभग साढ़े तीन साल की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 साल और महिलाओं की 74 साल है। साल 2020 तक पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.8 और महिलाओं की 70.4 साल थी। भारत की आबादी 144.17 करोड़ तक पहुंच गई है। जनसंख्या का आंकड़ा अगले 77 सालों में बढ़कर दोगुना होगा। साल 2050 तक भारत में दुनिया के 17 फीसदी बुजुर्ग होंगे। अभी देश में 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग 7 प्रतिशत से कम हैं। दुनिया में अनुमानित आबादी के साथ भारत सबसे आगे है, जबकि चीन 142.5 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। 2011 में पिछली जनगणना में देश की आबादी 121 करोड़ थी। इतना ही नहीं भारत में यौन संबंधों को लेकर भी जागरूकता आई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब 30 सालों में प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। मातृ मृत्यु (प्रेग्नेंसी के समय मौत) में कमी आई है। दुनिया में ऐसी मौतों में भारत का हिस्सा 8 प्रतिशत है। इसका सारा श्रेय सस्ता, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को दिया जा रहा है। 2006-2023 में भारत में 23 प्रतिशत बाल विवाह भी हुए हैं। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने से मना नहीं कर पाती है, जबकि 10 में से एक महिला गर्भनिरोधक उपायों के बारे में खुद निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

महावीर जयंती पर खड़गे, राहुल और प्रियंका ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने महावीर जयंती पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए इस पवित्र पर्व पर सबकी खुशहाली की कामना की है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, कि भगवान महावीर का जीवन और शिक्षाएँ हमें दयालु और सरल बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें खुशी, संतुष्टि और निःस्वार्थता के जीवन का मार्ग दिखाती हैं।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा था- भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है

- सिसोदिया की जमानत पर सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट में चल रहे दिल्ली शराब घोटाला में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉउन्ड्रिंग मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला 30 अप्रैल तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि आप नेता मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं किया है। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे जारी जांच में बाधा डाल सकते हैं। सीबीआई की ओर से पेश वकील पंकज गुप्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं कर रहे हैं। वह आप में बहुत शक्तिशाली पद पर हैं और दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री थे, सीबीआई ने कोर्ट को बताया जिस दिन उन पर केस दर्ज हुआ उसी दिन उन्होंने अपना मोबाइल फोन नष्ट कर दिया था। वह दस्तावेजों को गायब करने में भी शामिल हैं, क्योंकि पुराने कैबिनेट नोट वाली फाइल में से एक अब भी गायब है।

सीबीआई के वकील ने कहा कि सिसोदिया समानता के आधार पर जमानत के लिए योग्य नहीं हैं क्योंकि वह मुख्य आरोपी हैं। वकील ने उन्हें साजिश का मास्टरमाइंड बताते हुए कहा कि यह मनीष सिसोदिया निर्देश पर आधारित था कि अपराध किया गया था। पूरा समुदाय आर्थिक अपराधों का खामियाजा भुगत रहा है। इस दौरान सीबीआई के वकील ने कांग्रेस सरकार के पूर्व पीएम का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था, भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है। सीबीआई और ईडी का आरोप है कि दिल्ली शराब घोटाले को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं, शराब के लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए। कोर्ट 30 अप्रैल को जमानत पर फैसला सुनाएगी।

कैफे ब्लास्ट मामले में कई खुलासे-पाकिस्तान कनेक्शन भी आ रहा सामने

बेंगलुरु । रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट के मामले में अभी पूरी तरह पर्दाफास नहीं हुआ है। लेकिन जांच एजेंसियों को नए नए आउटपुट मिल रहे हैं। एजेंसियां अब आरोपियों के ऑनलाइन हैंडलर की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं, जिसका कोडनेम कर्नल है। अब्दुल मथीन ताहा को इस अटैक का मेन प्लानर और मुसाविर हुसैन शाजिब को हमलावर बताया जा रहा है। अधिकारियों को संदेह है कि कर्नल इन दोनों से संपर्क में था जो 2019-20 में आईएस अल-हिंद मॉड्यूल से जुड़े थे। माना जाता है कि कर्नल दक्षिण भारत में कई युवाओं के संपर्क में था। उसने क्रिप्टो-वॉलेट के जरिए धन भेजा। साथ ही धार्मिक संरचनाओं, हिंदू नेताओं और प्रमुख स्थानों पर हमले के लिए प्रेरित करने का काम किया। सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नवंबर 2022 में मंगलुरु ऑटोरिक्शा विस्फोट के बाद कर्नल नाम के हैंडलर के बारे में जानकारी मिली। वह मध्य-पूर्व में कहीं से काम करता है। ऐसा हो सकता है कि वह अबू धाबी में हो। जांच एजेंसियां आईएस समूह के छोटे मॉड्यूल बनाकर आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ कर्नल की मिलीभगत से इनकार नहीं कर रही हैं। मालूम हो कि आईएसआई ने पहले भी भारत में आतंकी मॉड्यूल को आईएस के गुर्गों से बढ़ावा देने का काम किया है, जैसे कि अक्टूबर में राजधानी दिल्ली में तीन आईएसआई-स्पॉन्सर्ड आईएस मॉड्यूल सदस्यों की गिरफ्तारी हुई थी। आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने 1 मार्च के विस्फोट का मामला अपने हाथ में लिया था। बम विस्फोट के इस मामले में लगभग 10 लोग बम से घायल हुए थे। दोनों संदिग्धों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की गई है। शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली का रहने वाला मुसाविर हुसैन शाजिब इस हमले का मास्टरमाइंड है और उसी ने इस धमाके को अंजाम दिया था।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा आसानी से केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आने वाली : मायावती

गाजियाबाद (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को इलेक?ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर संदेह जाहिर करते हुए दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली। बसपा प्रमुख ने रविवार को अमरोहा में पार्टी उम्मीदवार मुजाहिद हुसैन और गाजियाबाद में नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित किया। बसपा प्रमुख ने अमरोहा में भाजपा पर मुसलमानों के उत्पीड़न और गाजियाबाद में पश्चिमी उप्र में क्षत्रियों को टिकट न देकर उनकी उपेक्षा का आरोप लगाया।

मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और इनके अन्य सभी सहयोगी दलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''आजादी के बाद केंद्र और राज्यों में सत्ता ज्यादातर कांग्रेस के हाथों में रहीं, लेकिन अधिकांश मामलों में गलत नीतियों के कारण उसे केंद्र तथा राज्यों की सत्ता से बाहर होना पड़ा।'' भाजपा पर कांग्रेस की राह पर चलने का आरोप लगाते हुए बसपा प्रमुख ने कहा, '' पिछले कई वर्षों से भाजपा और उनके सहयोगी दल केंद्र तथा राज्यों की सत्ता में काबिज हैं लेकिन इनकी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक, द्वेष पूर्ण नीतियों, कार्यप्रणाली और इनकी कथनी तथा करनी में अंतर होने के कारण लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली।''

उन्होंने कहा, '' बशर्ते अगर चुनाव इस बार स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए और ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई।'' मायावती ने कहा, '' वैसे भी इस बार चुनाव में इनकी (भाजपा) पुरानी और नयी नाटकबाजी, जुमलेबाजी, गारंटी आदि काम नहीं आने वाले क्योंकि अब देश की जनता इन्हें समझ चुकी है।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' इनकी (भाजपा) पार्टी ने देश के गरीब, कमजोर तबकों व अन?य मेहनतकश लोग जिनसे उन्होंने अच्छे दिन दिखाने के वादे किये, उसका एक चौथाई कार्य नहीं किया।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' इनका (भाजपा) ज्यादातर समय और ताकत बड़े पूंजीपतियों, धन्नासेठों को धनवान बनाने और उन्हें छूट देने तथा बचाने में लगा।''

मायावती ने दावा किया कि अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की तरह भाजपा ने केंद्र की अधिकांश जांच एजेंसियों का ''राजनीतिकरण'' कर दिया है। गाजियाबाद में बसपा उम्मीदवार नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में आयोजित जनसभा में मायावती ने भाजपा पर पश्चिमी उप्र में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिमी उप्र में उच?च जाति के लोग काफी तादाद में रहते हैं लेकिन दुख की बात यह है कि भाजपा व अन्य पार्टियां, जो अपने को क्षत्रिय समाज की हिमायती समझती हैं, उन्होंने इस चुनाव में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा की है। मायावती ने कहा कि बसपा ने पश्चिमी उप्र में अन?य समाज के साथ ही क्षत्रिय समाज को पूरा पूरा आदर सम्मान दिया है और टिकट बंटवारे में उनको उचित भागीदारी दी है।

गाजियाबाद के मौजूदा सांसद व केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह को टिकट न देकर भाजपा ने उप्र सरकार के पूर्व मंत्री अतुल गर्ग को टिकट दिया है। सिंह, क्षत्रिय समाज से आते हैं। मायावती ने अमरोहा से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं 2019 में बसपा के टिकट पर जीते दानिश अली का नाम लिए बिना कहा, ''2019 में बसपा ने अमरोहा सीट से जिसे टिकट दिया, आप लोगों ने उसे जिताकर भेजा। उस व्यक्ति ने सांसद बनने के बाद न ही पार्टी और न ही क्षेत्र की जनता का मान-सम्मान का ध्यान रखा। उन्होंने जनता और पार्टी के साथ विश्वासघात किया।'' बसपा के टिकट पर अमरोहा से जीतने वाले दानिश अली को इस साल जनवरी में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। अली बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस पार्टी के टिकट पर अमरोहा से चुनाव लड़ रहे हैं।

एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया

-उमर अब्दुल्ला डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा पर बरसे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन की सहयोगी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी पार्टी अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में ऐसे मित्र के खिलाफ चुनाव लड़ रही है जो एक सीट के लिए लालची बन गया है। अब्दुल्ला ने पीडीपी के दक्षिण कश्मीर की सीट से चुनाव लड़ने पर यह बात कही।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर सीट पर लड़ाई भाजपा से नहीं है। दुर्भाग्य से, वहां नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला हमारे एक मित्र से है जो कुछ दिन पहले तक हमारे साथ था। अब एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया। अब्दुल्ला ने श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा एनसी और पीडीपी विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। वे पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन का भी हिस्सा था जिसका गठन अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद किया गया था। एनसी की ओर से पीडीपी के लिए एक भी सीट छोड़े बिना कश्मीर घाटी में सभी 3 निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारने की घोषणा किए जाने के बाद यह गठबंधन टूट गया। पीडीपी ने तीनों सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि भाजपा घाटी में संसदीय चुनाव सीधे तौर पर नहीं लड़ रही है, बल्कि वह अपनी पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जैसे दलों का समर्थन कर रही है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि भाजपा यहां किसका समर्थन करती है, लेकिन उनके जीतने की कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान ने चाहा तो नेशनल कॉन्फ्रेंस सभी तीन सीट जीतेगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने एनडीए के 400 पार वाले भाजपा के दावे पर कहा कि नतीजों के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि लद्दाख सीट उनके हाथ से फिसल रही है। उन्होंने कहा कि कल हुए मतदान के बाद ऐसा लगता है कि वे उधमपुर सीट नहीं बचा पाएंगे। देखते हैं कि जम्मू सीट पर भी क्या होगा।

प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने वाले झामुमो नेता ने मांगी माफी

- एसडीओ कोर्ट ने नजरूल इस्लाम को जारी किया था नोटिस

साहिबगंज (एजेंसी)। पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश कर माफी मांगी है। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता नजरूल इस्लाम ने कोर्ट में माफी मांग ली है। उन्होंने सदर एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश किया। नजरूल इस्लाम की पीएम पर की गई टिप्पणी के बाद बीडीओ सुबोध कुमार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने सहित अन्य मामलों में साहिबगंज नगर थाने में केस दर्ज कराया था। इसके बाद एसडीओ कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया था। नजरूल इस्लाम शनिवार को अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और बयान दर्ज कराया। इसके बाद एसडीओ कोर्ट में पेश होकर लिखित में अपना पक्ष रखा। नजरूल इस्लाम झामुमो की केंद्रीय कमेटी का सदस्य हैं। बता दें 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर एक कार्यक्रम में नजरुल इस्लाम के भाषण का वीडियो वायरल हो गया था इसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। वायरल वीडियो में वह पीएम मोदी के अबकी बार 400 पार के नारे का जिक्र करते हुए नजरुल कहते हैं, मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं कि 400 सीट नहीं, 400 फिट अंदर नरेंद्र मोदी को गाड़ दिया जाएगा। नजरूल के इस वीडियो की भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। विवाद बढ़ने पर नजरूल इस्लाम ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था, मैं एक प्रोफेसर हूं, मुझे अच्छे-बुरे की परख है। यदि मेरे बातों से किसी को ठेस पहुंची है, तो माफी मांगता हूं। मेरा कहने का तात्पर्य था कि हम पीएम मोदी की गारंटी की 400 के अंदर गांठ बांध देंगे।

भाजपा की सुविधा के लिए 1 जून तक कराया जा रहा मतदान: सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लपेटे में लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोगों को आराम देने के लिए मतदान की तारीख 1 जून तक रखी है ताकि बीजेपी के लोगों देश के संसाधनों का जमकर उपयोग कर सकें और उन्हें चुनावी प्रचार का पूरा वक्त मिले। मालदा जिले के गाज़ोल में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रसून बनर्जी के समर्थन में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 19 अप्रैल से 1 जून तक चुनाव निर्धारित किए गए हैं ताकि मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगी विशेष विमानों से यात्रा कर सकें और जमकर प्रचार कर सकें। देश में हर चरण से पहले उन्हें विपक्ष पर हावी होना है।

पश्चिम बंगाल के भाजपा और कांग्रेस सांसदों पर हमला करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2019 में राज्य से चुने जाने के बावजूद, उनमें से किसी ने भी मनरेगा धन जारी करने के संबंध में राज्य का मामला नहीं उठाया। उन्होंने कहा, हमारे (टीएमसी) सांसद जब पिछले साल नवंबर में मनरेगा की धनराशि जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली गए थे तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस और भाजपा सांसदों ने गरीबों के लिए क्या किया है? कुछ भी नहीं। लेकिन, बंगाल भीख नहीं मांगेगा। मैं आपकी रॉयल बंगाल टाइगर हूं। हमें जितने अधिक सांसद मिलेंगे, उतना अधिक काम होगा। बनर्जी ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस पर भाजपा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और लोगों से किसी भी गैर-टीएमसी उम्मीदवार को वोट नहीं देने का आग्रह किया। मैंने ही इंडिया ब्लॉक का नाम दिया था। लेकिन बंगाल में इंडिया गुट नहीं है। हमारे लिए, यह राज्य के बाहर है, अंदर नहीं। ममता बनर्जी ने आगे कहा, ÷पहले चुनाव मई तक समाप्त हो जाते थे, लेकिन इस साल, इसे 1 जून तक बढ़ा दिया गया है ताकि पीएम मोदी सैन्य विमानों पर विभिन्न स्थानों का दौरा कर सकें। जबकि, दूसरी तरफ हमें हेलीकॉप्टर अपने स्वयं की व्यवस्था से जुटाने करने के लिए कहा जा रहा है। इन हेलीकॉप्टरों को भी भाजपा नेता बुक करा रहे हैं ताकि हमें वो भी न मिल सकें। उन्होंने कहा, लोगों को चिलचिलाती गर्मी से काफी असुविधा हो रही है, लेकिन मोदी इससे बेपरवाह हैं क्योंकि वे (भाजपा नेता) सभी सुविधाओं के साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मोदी और उनकी पार्टी के सहयोगियों द्वारा तय की गई लाइन पर चल रहा है। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में सात चरणों का मतदान 11 अप्रैल से 19 मई तक हुआ था।

न कांग्रेस की रणनीति समझ पा रहीं और न ही राहुल को भुला पा रहीं स्मृति?

अमेठी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा की जुबां पर हमेशा रहते हैं। चुनावी सभा में कोई उन्हे राहुल बाबा कहता है तो कोई शहजादा बताकर उन्हे घेरता है। जब कांग्रेस की परंपरागत सीट रही अमेठी की बात हो तो केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इस मौके को कैसे छोड़ सकतीं हैं। वे लगातार बार बार राहुल गांधी को घेरने की कोशिश करतीं नजर आ रहीं हैं। भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी की सक्रियता ने चाहे अनचाहे राहुल को फिर से चुनावी केंद्र में ला दिया है। असल में स्मृति ने अपनी हर सभा में राहुल को निशाने पर लेकर, आरोप मढ़कर, भगोड़ा बताकर और गांधी परिवार पर तोहमत मढ़कर आम जन को राहुल रूपी सवाल सौंप दिया है। उनके इस कदम ने कहीं न कहीं अमेठी में राहुल पर नई बहस शुरू कर दी है। यह बहस किस मोड़ पर जाती है, इसका अंदाजा अभी लगाना थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन चुनावी समर में जो मैदान कांग्रेस प्रत्याशी के बिन सूना था वह अब राहुल के नाम से रोमांचित जरूर करने लगा है।

इतना सब होने के बाद भी अमेठी को लेकर कांग्रेस ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले। वहां से चुनाव कौन लड़ेगा इसकी चिंता कांग्रेस से ज्यादा भाजपा कर रही है। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अमेठी में भाजपा की स्मृति एक मजबूत प्रत्याशी हैं तो उन्हे कांग्रेस के उम्मीदवार से क्या लेना देना। वहां कोई भी खड़ा हो जाए। उन्हे तो अपने आप पर भरोसा होना चाहिए। भाजपा न तो कांग्रेस की चुप्पी के मायने समझ रही है और न ही राहुल गांधी की रणनीति। असल में 2019 में राहुल गांधी अमेठी के साथ ही केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़े। अमेठी से भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी से करारी हार मिली, वहीं वायनाड से जीतकर वह संसद पहुंचे। इस बार भी अभी तक राहुल वायनाड से ही मैदान में हैं। उनके अमेठी से चुनाव लड़ने पर संशय बरकरार है। यहां से कभी प्रियंका गांधी तो कभी रॉबर्ट वाड्रा के नाम की चर्चा हो रही है। समीकरण साधने के लिए स्थानीय प्रत्याशी पर भी मंथन चल रहा है। इस सब के बीच कांग्रेस कुछ भी खुलकर बोलने को राजी नहीं है। पार्टी का मौन कार्यकर्ताओं की दुविधा बढ़ाने वाला है।

राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हारे। अभी नया राजनीतिक ठिकाना वायनाड है। इस बीच अमेठी से उनका जुड़ाव करीब कट सा गया। 20 फरवरी को यहां पहुंची उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी न उल्लास नजर आया था और न ही कांग्रेस नेताओं में उत्साह। संसदीय चुनाव की रंगत के बीच जब भाजपा ने स्मृति इरानी को मैदान में उतार मोर्चेबंदी शुरू कर दी है, तो वहीं कांग्रेस में प्रत्याशी पर ही मंथन चल रहा है। हालांकि अमेठी में पांचवें चरण में 26 अप्रैल से नामांकन की शुरुआत होने वाली है। तीन माई नामांकन की अंतिम तिथि है और 20 मई को मतदान। इस सब के बीच अमेठी से दूर रहते हुए भी बीते 15 दिनों से राहुल गांधी फिर चर्चा में हैं। यह कांग्रेस की पहल नहीं, बल्कि भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी की रणनीति का ही प्रतिफल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई